मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 323
शनिवार, 13 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

प्रोजेक्ट कुशा होगा गेम चेंजर, गोवर्धन पर्वत से की तुलना: राजनाथ सिंह

हैदराबाद, 12 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी 'प्रोजेक्ट कुशा' वायु रक्षा प्रणाली को भारत की सुरक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी संपत्ति बताते हुए इसकी सुरक्षा क्षमता की तुलना प्रसिद्ध गोवर्धन पर्वत से की है।

रक्षा मंत्री ने लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) रक्षा प्रणाली यानी प्रोजेक्ट कुशा के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'आज मैं भविष्यवाणी करता हूं कि प्रोजेक्ट कुशा भारत की सुरक्षा परिदृश्य के लिए गेम चेंजर होगा।'

तेलंगाना में डीआरडीएल (डीआरडीओ) में उन्नत हथियार प्रणाली परिसर के उद्घाटन समारोह को शुक्रवार को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि इस प्रणाली ने पहले ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी प्रभावशीलता साबित की है, जो 2025 में एक आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया था।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'यह एक विश्व स्तरीय स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली है, जिसने आपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी महत्ता साबित की है। इसके लिए और किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है... जैसे गोवर्धन पर्वत ने द्वापर युग में ब्रज क्षेत्र की रक्षा की, वैसे ही हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने उस समय पूरे क्षेत्र के लिए सुरक्षा छाता प्रदान किया।'

डीआरडीओ द्वारा विकसित की जा रही मिसाइल प्रणाली प्रोजेक्ट-कुशा असल में रूस के एस-400 को टक्कर देने के लिए डिजाइन की है और इसमें तीन इंटरसेप्टर वेरिएंट (150 किमी, 250 किमी, और 400 किमी रेंज) शामिल हैं, जो स्टेल्थ विमानों, ड्रोन और हाइपरसोनिक हथियारों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसे 2028-2030 के आसपास तैनात किया जाने की योजना है।

उन्नत वैश्विक प्रणालियों को टक्कर देने के लिए डिजाइन की गई प्रोजेक्ट कुशा में 150 किमी से 400 किमी के बीच रेंज वाले तीन इंटरसेप्टर वेरिएंट शामिल हैं, जो स्टेल्थ विमानों, ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक हथियारों सहित विभिन्न खतरों के खिलाफ बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया अस्थिरता और उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है, जहां 'कुछ स्थानों पर संघर्ष, अन्य में अस्थिरता और कुछ में पूरी तरह से युद्ध की स्थिति उभर रही है। वैश्विक युद्ध तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो एआइ, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकियों के एकीकरण द्वारा संचालित है।'

राजनाथ सिंह ने आगे कहा, 'इस वातावरण में यदि कोई राष्ट्र अपनी सुरक्षा और हितों की रक्षा करना चाहता है, तो उसे दो चीजों की आवश्यकता है।

सीआईडी या ईडी कोई हमें झुका नहीं सकता, हम नहीं डरते: अभिषेक बनर्जी

कोलकता, 12 जून। चुनावी हार और CID के बुलावे के बीच TMC के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी का बड़ा बयान सामने आया है। अभिषेक बनर्जी ने आज कहा कि आप जानते हैं कि CID ने मुझे बुलाया था। मैं वहाँ 5.30 घंटे तक रहा। मुझे 14 जून को फिर से बुलाया गया है। मैं वहाँ जाऊँगा। मैं हमेशा इस तरह की जाँच में सहयोग करता हूँ। मुझे किसी और मामले में भी समन भेजा जा सकता है। मैंने उनसे कहा है कि वे किसी और को नोटिस दे दें क्योंकि मैं वहाँ नहीं था। लेकिन मैंने सुना है कि वे इंतजार कर रहे थे। अगर वे तब नोटिस देना चाहते हैं जब मैं वहाँ नहीं हूँ और किसी और को नोटिस लेने की इजाजत नहीं है, तो उन्हें मेरे घर लौटने तक इंतजार करना होगा। मैं हमेशा एजेंसियों के साथ सहयोग करता हूँ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मेरे पेश होने के मामले में कई

लोग CID से मिली जानकारी के आधार पर खबरें चला रहे हैं। जब मैं इस विचाराधीन मामले के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं कर रहा हूँ, तब भी जानकारी लीक होने के कारण हम इस मामले को लेकर हाई कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे उम्र में बड़े हैं। उन्हें अपनी राय रखने का हक है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है। मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं कहूंगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने मेरे 'DJ' को लेकर कोई शिकायत नहीं की थी। लेकिन अब सरकार बदल गई है और वे बार-बार मेरे खिलाफ मामले दर्ज कर रहे हैं। अमित शाह के भड़काऊ बयानों के लिए उनके खिलाफ FIR क्यों नहीं होनी चाहिए?

एक ही घर से उठीं चार अर्थियां, 22 पन्नों का सुसाइड नोट बरामद, पुलिस जांच में हुआ बड़ा खुलासा

सोलापुर, 12 जून। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक टीचर के परिवार के 4 की लोगों की मौत ने पूरे इलाके को झझकोर कर रख दिया है। ये घटना बार्शी तालुका के हत्तीज गांव की है। जानकारी के अनुसार शेयर बाजार में आर्थिक नुकसान के चलते प्रिंसिपल ने अपनी पत्नी और 2 बच्चों को जहर दिया और फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

पुलिस का कहना है कि ये दर्दनाक घटना गुरुवार रात को हुई शुक्रवार सुबह जब दूध वाला आया तो काफी अवाजें लगाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला इसी दौरान पड़ोसियों ने दरवाजा खोला तो अंदर का दृश्य बेहद भयावह था। पुलिस के अनुसार प्रिसिपल योगेश पाटिल ने अपनी पत्नी माधुरी योगेश पाटिल

(37) और 2 बच्चे अथर्व (11), शिवांश (9) को जहर देने के बाद फिर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

पुलिस जांच में सामने आया है कि योगेश पाटील शेयर बाजार में निवेश करते थे और इसी दौरान उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ था। अनुमान के अनुसार उन्हें लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये का घाटा हुआ। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अपनी मां से मिले लगभग एक करोड़ रुपये भी निवेश में गंवा दिए थे। इसके अलावा उन्होंने रिश्तेदारों और दोस्तों से भी भारी उधारी ली थी, जिसे चुकाना उनके लिए मुश्किल हो गया था।

पुलिस ने मौके से 22 पन्नों का एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें मृतक ने अपने लेन-देन, कर्ज के संबंधी कुछ जानकारी लिखी थी। सुसाइड नोट में उन्होंने किसी भी व्यक्ति को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

अमित शाह 'विपक्षी दलों को तोड़ने में व्यस्त, उनके दुर्भावनापूर्ण मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे': जयराम रमेश

नई दिल्ली, 12 जून। कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकसभा में भाजपा के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का शुक्रवार को आरोप लगाया और कहा कि वह "लोकतंत्र का पूरी तरह से मजाक उड़ाते हुए" विपक्षी दलों को तोड़ने में व्यस्त हैं लेकिन उनके "दुर्भावनापूर्ण मंसूबे" कभी सफल नहीं होंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "इससे पहले कभी किसी ने लोकसभा में अपनी पार्टी के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की ऐसी कोशिश नहीं की, जैसी केंद्रीय गृह मंत्री इन दिनों संसद के मानसून सत्र से पहले पूरी बेचैनी से कर रहे हैं।" रमेश ने कहा, "स्वयंभू चाणक्य को 17 अप्रैल, 2026 को अपमानित होना पड़ा था, जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाई और परिसीमन से जुड़ा खतरनाक संविधान संशोधन विधेयक अच्छे अंतर से खारिज हो गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि उस करारी हार से तिलमिलाए हुए शाह अब विपक्षी दलों को तोड़ने और "लोकतंत्र का मजाक बनाने" में व्यस्त हैं। रमेश ने कहा, "लड़ाई जारी है। उनके दुर्भावनापूर्ण मंसूबे सफल नहीं होने चाहिए और सफल नहीं होंगे।" रमेश का यह बयान तब आया जब तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के बागी

सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार को मुलाकात कर खुद को "असली तृणमूल कांग्रेस" के तौर पर मान्यता दिये जाने की मांग करेंगे।

बसुनिया ने दावा किया कि अभी 19 लोकसभा सदस्य इस गुट का समर्थन कर रहे हैं। कूचबिहार से सांसद और लोकसभा में राजग का समर्थन करने के इच्छुक सांसदों में शामिल बसुनिया ने वीडियो' को बताया कि यह गुट सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार और पार्टी के अंदर हुई बगावत के कारण तृणमूल कांग्रेस संकट का सामना कर रही है। इस बगावत ने पार्टी की संगठनात्मक और विधायी ताकत को काफी कमजोर कर दिया है।

पिछले हफ्ते, पार्टी के दो-तिहाई से ज्यादा विधायकों - 80 में से 58 ने आधिकारिक तृणमूल कांग्रेस विधायक दल से अलग होकर, पार्टी से निष्कासित विधायक रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य विपक्षी गुट के तौर पर मान्यता हासिल कर ली। बाद में, यह संकट संसद सदस्यों तक भी पहुंच गया, जहां काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में बागी सांसदों ने 20 से ज्यादा लोकसभा सदस्यों के समर्थन का दावा किया।

भारतीय जहाजों पर हमले के लिए ईरान जिम्मेदार, यह पूरी तरह अस्वीकार्य : ट्रंप

अमेरिका, 12 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाले भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमला करने का आरोप लगाया और कहा कि यह "पूरी तरह से अस्वीकार्य" है। इस हफ्ते ओमान के तट के नजदीक भारतीय चालक दल सदस्य वाले तीन जहाजों पर हमले हुए। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई।

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "कल रात होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ईरान के ड्रोन हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया गया। यह हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है।" भारत ने

वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों को 'बेहद चिंताजनक' बताया है और इस मामले को अमेरिका के सामने सख्ती से उठाया है।

भारत ने शुक्रवार को नयी दिल्ली में नियुक्त अमेरिकी राजदूत के प्रभारी जेसन मीक्स को तलब किया और उनसे कहा कि ओमान के तट पर भारतीय चालक सदस्यों वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के "घातक और जानलेवा" हमले "अस्वीकार्य" हैं।

राम मंदिर के बनने से अब तक के सभी वित्तीय लेन-देन को सार्वजनिक किया जाए: भाजपा नेता

लखनऊ, 12 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रजनीश सिंह ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर हो रहे विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के बनने के समय से लेकर अब तक के सभी वित्तीय लेन-देन और संपत्ति को सार्वजनिक करने की मांग की। सिंह ने शुक्रवार को भेजे पत्र में प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह ट्रस्ट को निर्देश दें कि न्यास अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी आय, खर्च, दान, बैंक खातों, जमीन के लेन-देन और संपत्तियों का विवरण सार्वजनिक करे।

उन्होंने भगवान राम को सत्य, धर्म और जन-कल्याण का प्रतीक बताते हुए कहा कि राम के नाम पर काम करने वाली संस्थाओं को पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने पत्र में कहा, देश-विदेश के करोड़ों भक्तों ने राम मंदिर के निर्माण के लिए अपनी आस्था और जीवन भर की कमाई का योगदान दिया है। यह धन किसी व्यक्ति, समूह या संस्था का नहीं है, बल्कि करोड़ों भक्तों की श्रद्धा का प्रतीक है।₹ सिंह ने कहा कि हर भक्त को यह जानने का 'नैतिक और लोकतांत्रिक अधिकार' है कि दान में मिले पैसे, गहनों और अन्य कीमती चीजों का इस्तेमाल कैसे किया गया है। भाजपा नेता की यह मांग मंदिर के दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बुधवार को दावा किया था कि उन्हें राम मंदिर में दान के कथित दुरुपयोग और चोरी के बारे में जानकारी थी लेकिन वे इसका विवरण बताने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने गोंडा में पत्रकारों से कहा था, अगर मैं सच बोलूंगा, तो मुसीबत में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत ताकतवर लोग हैं। रजनीश सिंह ने पत्र में 'समर्पण निधि' अभियान के तहत जमा हुए फंड, नकद, चेक, ऑनलाइन अंतरण और दान पेटियों के जरिए मिले दान, सोना, चांदी व गहनों के रूप में मिले योगदान का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट ने इस मामले की जांच पहले ही शुरू कर दी है। शाही ने कहा, ट्रस्ट अपने नियमों और कानूनों के अनुसार जरूरी कार्रवाई करेगा।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

गृहिणी राष्ट्रनिमार्ता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

-ललित गर्ग

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें ह्यआधी आबादीह्ल और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें ह्यनेशन बिल्डरह्ल अर्थात राष्ट्रनिमार्ता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

लव जिहाद-हिंदू बेटियों को लील रहा है

अशोक भाटिया

लव जिहाद, नाम आज कल आम हो गया है अबतक आप कभी कभार देश में लव जिहाद के किस्से सुनते आए होंगे. लव जिहाद का ये जिन्न केरल में एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के के विवाह से उत्पन्न हुआ था . अब तो लव जिहाद का जाल पूरे देश में फैल चुका है, देशभर के थाने में ऐसी हजारों शिकायतें दर्ज की गई हैं, लाखों हिंदू लड़कियां इस साजिश का शिकार हो गई हैं, अपना सब कुछ खो चुकी हैं वे बैठे हैं। जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, आईएएस अधिकारी, डॉक्टर, वकील, अभिनेत्रियां शामिल हैं। प्रेम विवाह से पैदा हुआ है, जिसकी जांच देश में आतंकवादी घटनाओं की पड़ताल करने वाली नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए को सौंपी गई है. लव जिहाद दो शब्दों से मिलकर बना है. अंग्रेजी भाषा का शब्द लव यानी प्यार, मोहब्बत, इश्क और अरबी भाषा का शब्द जिहाद. जिसका मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना. यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना. यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उस लड़की का धर्म परिवर्तन करवा देते हैं तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है.

अब अगर आप लव जेहाद का मतलब समझ गए हैं तो आपको ये भी बता दें कि अबतक लव जेहाद शब्द को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं थी. लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने मान लिया है कि लव जिहाद होता है और मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाकर लव जेहाद करते हैं. इसकी शुरूआत तब हुई जब केरल हाईकोर्ट ने 25 मई को हिंदू महिला अखिला अशोकन की शादी को रद्द कर दिया था. अखिला अशोकन ने दिसंबर 2016 में मुस्लिम शख्स शफीन से निकाह किया था. आरोप है कि निकाह से पहले अखिला ने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम हादिया रख लिया. जिसके खिलाफ अखिला उर्फ हादिया के माता-पिता केरल हाईकोर्ट पहुंचे. जिन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में फिदायीन बनाने के लिए लव जेहाद का सहारा लिया गया. जिसके बाद केरल हाईकोर्ट ने अखिला उर्फ हादिया और शफीन के निकाह को रद्द कर दिया. लेकिन अखिला उर्फ हादिया के पति शफीन ने केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी .

अब तो यह भी साबित हो चुका है कि लव जिहाद की शिकार लड़कियों को फिर खाड़ी देशों में बेच दिया जाता है, आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है या उनके अंगों की तस्करी की जाती है। और ऐसी ही दो फिल्में आईं और चली गईं, उनका सीक्वल। लव जिहाद की शिकार लड़कियों के कई वीडियो आज यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। लव जिहाद के खतरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सबसे पहले राज्य में लव जिहाद विरोधी कानून बनाकर कार्रवाई शुरू की। हिंदू समर्थक संगठनों के लगातार अनुनय के कारण महाराष्ट्र में भी जबरन एक कानून बनाया गया। हमने फिल्म 'द केरल स्टोरी' में देखा है कि न सिर्फ युवा लड़के बल्कि लड़कियां भी लव जिहाद नाम की एक कट्टरपंथी साजिश में शामिल हैं, अब इस बात के सबूत सामने आ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के एक करोड़पति व्यापारी के धर्मांतरण का मामला हाल ही में एक मुस्लिम जिम ट्रेनर द्वारा सामने आया है। शामली जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष देवराज मलिक जिले के एक प्रसिद्ध व्यवसायी हैं। उनके इकलौते बेटे, आयुष मलिक ने बी-फार्मा की पढ़ाई की है और अपनी खुद की मेडिकल प्रैक्टिस चला रहा है। 5 साल पहले, उन्होंने अपने निवास स्थान के पास ह्यकुरैशी प्लस' शुरू किया था।मैंने नाम नामक जिम में जाना शुरू कर दिया।

आयुष, जो एक करोड़पति है, को स्थानीय जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी ने प्यार के जाल में फंसा दिया था। 4 साल पहले, उसने चुपके से उसे इस्लाम में परिवर्तित कर दिया और उससे शादी कर ली। आयुष के परिवार को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पिछले 6 महीनों से, आयुष को अपने व्यवहार में अचानक बदलाव का अनुभव होने लगा। उसने दाढ़ी बढ़ा ली। कुर्ता पायजामा और सिर पर गोल टोपी पहने वह न सिर्फ दुकान में बैठकर मस्जिद भी जाता था और दिन में पांच बार नमाज पढ़ता था।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों ने जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। आयुष के पिता देवराज मलिक ने शनिवार रात शामली पुलिस स्टेशन पहुंचकर चांदनी कुरैशी और उनके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन पर जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यूनानी आक्रमणकारी भारत आए, जहां सोने का धुआं बन रहा था, और उन्होंने भारत की सारी महिमा लूट ली, इसके प्राचीन मंदिरों को ध्वस्त कर दिया, उस पर मस्जिदें बनवाईं, इसकी संस्कृति के निशान मिटा दिए, तलवार से धर्मांतरण किया और महिलाओं और पिताओं को प्रताड़ित किया। उन्हें हरम में डाल दिया गया। यहां के बहादुर योद्धाओं ने यवनीस आक्रमणकारियों का कड़ा विरोध किया। जो अंग्रेज आगे आए, उन्होंने भारत के गौरव के अवशेषों को भी लूट लिया। हमारे देशभक्त क्रांतिकारियों ने उन्हें अपने परिवारों पर तुलसी के पत्ते रखकर भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया।

भारत को हर तरह की गुलामी से आजाद कराया गया है, लेकिन जो कट्टरपंथी अपने धर्म को बढ़ाना चाहते हैं, वे आज भी इस देश में घूम रहे हैं। लव जिहाद, स्पंक जिहाद, लैंड जिहाद, कॉरपोरेट जिहाद जैसे कई जिहाद विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां भी उन्हें मिलता है, वहां शिकार की तलाश में वे हिंदुओं का नरसंहार करने और अपने धर्म को बढ़ाने के लिए लव जिहाद जैसी साजिश रचे हैं। जिसके जरिए भोली हिंदू लड़कियों को फंसाया जा रहा है।

माता-पिता अपनी बेटी को प्यार से पालते हैं, उसे अच्छी शिक्षा देते हैं और चाहते हैं कि उसका भविष्य सुरक्षित और खुशहाल हो। जब वह यौवन के बाद अपना साथी चुनती है, तो कभी-कभी माता-पिता को स्वीकार करना मुश्किल होता है, लेकिन सही संचार के साथ, कई चीजें स्पष्ट हो सकती हैं। भ्रामक या गलत रिश्ते परेशानी का कारण बन सकते हैं। ऐसे में पूरा परिवार मानसिक परेशानी से जूझ रहा है। इसलिए माता-पिता और बच्चों के बीच विश्वास, संचार और समझ होना बहुत जरूरी है। आज के समय में सोशल मीडिया और अन्य मीडिया रिश्तों को तेजी से बनाते हैं, इसलिए युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे किसी भी रिश्ते में जल्दबाजी किए बिना सही सोच, सुरक्षा और आपसी सम्मान पर ध्यान दें। ऐसे मुद्दों को कानून के दायरे में देखना भी जरूरी है। किसी भी माता-पिता के लिए यह जानना दिल दहला देने वाला है कि एक बेटी जो अपनी बेटी के लिए प्यार के साथ पली-बढ़ी है, वह किसी के धोखे का शिकार हो जाती है और अपने माता-पिता की अवहेलना करके इस्लाम में परिवर्तित हो जाती है। उनमें से कुछ चुपचाप अन्याय सहते हैं, तो उनमें से कुछ वेश्यालयों को अपना घर मानते हैं और हर दिन मौत का सामना करते हैं। लव जिहाद की साजिश में धार्मिक कट्टरपंथियों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, वे कॉलेजों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में अपने शिकार की तलाश करते हैं। इसके लिए न केवल हर हिंदू लड़की, बल्कि लड़के और उनके माता-पिता को सतर्क रहना चाहिए!

क्यों पहाड़ों पर ही रह जाते हैं पर्वतारोहियों के शव?

माउंट एवरेस्ट, जो कि संसार की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है, सदियों से इंसानी साहस और महत्वाकांक्षा का प्रतीक रही है। समुद्र तल से 8848 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस बर्फीले शिखर को छूने का सपना दुनिया भर के अनगिनत साहसी पर्वतारोही देखते हैं। लेकिन इस खूबसूरत चोटी के पीछे एक अत्यंत डरावना और कड़वा सच भी छिपा हुआ है। इस पर्वत पर विजय पाने की कोशिश में अब तक सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, और उनमें से 200 से अधिक पर्वतारोहियों के मृत शरीर आज भी उसी बर्फीली ऊंचाई पर पड़े हुए हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आधुनिक विज्ञान और उन्नत तकनीक के इस युग में भी उन शवों को नीचे लाकर उनके परिवारों को सौंपना संभव नहीं हो पाया है। इसके पीछे प्रकृति की अत्यंत क्रूर परिस्थितियां, इंसानी शरीर की जैविक सीमाएं और विज्ञान के कुछ अकाट्य नियम काम कर रहे हैं जो इंसानी ताकत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देते हैं। एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान सबसे भयानक चुनौती उस समय शुरू होती है जब कोई पर्वतारोही 8000 मीटर की ऊंचाई की अदृश्य सीमा को पार करता है। पर्वतारोहण की दुनिया में इस ऊंचाई से ऊपर के पूरे क्षेत्र को मृत्यु क्षेत्र के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहाँ की परिस्थितियां जीवन के अनुकूल नहीं हैं। इस ऊंचे क्षेत्र में वायुमंडलीय दबाव इतना कम हो जाता है कि हवा में जीवनदायिनी ऑक्सीजन की मात्रा समुद्र तल के मुकाबले केवल 33 प्रतिशत रह जाती है। इतनी कम ऑक्सीजन में मानव शरीर की कोशिकाएं धीरे-धीरे मरने लगती हैं और मस्तिष्क तथा फेफड़ों में पानी भरने का जानलेवा खतरा बढ़ जाता है। इस स्थान पर खड़े रहकर सांस लेना भी अपने आप में एक महायुद्ध लड़ने जैसा होता है और कृत्रिम ऑक्सीजन के बिना यहाँ कुछ घंटे भी जीवित रहना असंभव है। ऐसी स्थिति में पर्वतारोहियों का पूरा ध्यान और ऊर्जा केवल अपने आप को जीवित रखने पर केंद्रित होती है। जब इस ऊंचाई पर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके साथी या मार्गदर्शक चाहकर भी उसके शरीर को हिलाने या साथ ले जाने की स्थिति में नहीं होते हैं, क्योंकि वहाँ दूसरों की मदद करने का प्रयास करना सीधे तौर पर अपनी मौत को आमंत्रण देने जैसा होता है।

- महेन्द्र तिवारी

इस बर्फीले साम्राज्य में मौत के बाद मानव शरीर की जो भौतिक स्थिति बनती है, वह शवों को नीचे न ला पाने का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। एवरेस्ट के ऊपरी हिस्सों में तापमान अक्सर शून्य से 30 डिग्री से लेकर शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तक चला जाता है। इस अत्यधिक ठंड के कारण मृत्यु के तुरंत बाद मानव शरीर के भीतर का सारा तरल पदार्थ जम जाता है और शरीर पूरी तरह से पत्थर की तरह सख्त हो जाता है। इसके अलावा पर्वतारोहियों के विशेष भारी कपड़े, जूते और अन्य उपकरण भी आसपास की बर्फ और नमी को सोखकर शरीर के साथ ही पूरी तरह से जम जाते हैं। इस प्राकृतिक शीतलन प्रक्रिया के कारण एक सामान्य मानव शरीर का वजन जीवित अवस्था के मुकाबले बढ़कर 100 किलोग्राम से लेकर 150 किलोग्राम तक हो जाता है। इतनी तीव्र ढलान वाली, फिसलन भरी और खतरनाक बर्फीली चट्टानों पर 150 किलोग्राम के एक भारी पत्थर जैसे सख्त शव को खींचना या उठाना पूरी तरह से नामुमकिन कार्य बन जाता है। बर्फ के साथ जुड़ जाने के कारण ये शव पर्वतीय सतह का ही एक हिस्सा बन जाते हैं, जिन्हें वहां से अलग करने के लिए कुल्हाड़ियों से बर्फ को काटना पड़ता है।

एक मृत शरीर को इतनी ऊंचाई और विकट परिस्थितियों से नीचे सुरक्षित लाने के लिए कम से कम 6 से लेकर 10 अत्यंत कुशल, शारीरिक रूप से सुदृढ़ और स्थानीय पहाड़ी गाइडों की आवश्यकता होती है, जिन्हें शेरपा कहा जाता है। जब ये शेरपा मृत्यु क्षेत्र में इतने भारी वजन को उठाने या खींचने का प्रयास करते हैं, तो उनके अपने शरीर की ऊर्जा और कृत्रिम ऑक्सीजन बहुत तेजी से समाप्त होने लगती है। भारी वजन के साथ खड़ी बर्फ पर संतुलन बनाना बेहद कठिन होता है और पैर फिसलने की एक छोटी सी चूक पूरे बचाव दल को हजारों फीट गहरी खाई में गिरा सकती है। पर्वतारोहण के इतिहास में ऐसे कई दुखद उदाहरण दर्ज हैं जहाँ दूसरों के शवों को बचाने या नीचे लाने के प्रयास में रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने खुद अपनी अमूल्य जान गंवा दी। इसी वजह से पर्वतारोहण समुदायों में यह कठोर नियम सर्वमान्य माना जाता है कि जीवित लोगों की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि रहेगी और किसी मृत शरीर को वापस लाने के लिए जीवित इंसानों की जान को खतरे में नहीं डाला जा सकता है।

भौगोलिक और शारीरिक चुनौतियों के अलावा, एवरेस्ट से किसी शव को नीचे लाने का अभियान आर्थिक रूप से भी एक बहुत बड़ा वित्तीय बोझ होता है। इस तरह के विशेष और अत्यधिक खतरनाक बचाव कार्यों को आयोजित करने का खर्च 30000 अमेरिकी डॉलर से लेकर 100000 अमेरिकी डॉलर तक हो सकता है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 25 लाख से लेकर 85 लाख रुपये या उससे भी अधिक बैठता है। इतनी भारी धनराशि खर्च करने के बाद भी इस बात की कोई न्यूनतम गारंटी नहीं होती कि शव को सुरक्षित नीचे लाया जा सकेगा। कई बार मौसम अचानक खराब हो जाता है, जिससे पूरा मिशन बीच में ही छोड़ना पड़ता है। इसके साथ ही, एवरेस्ट पर चढ़ने और उतरने के लिए पूरे वर्ष में केवल कुछ ही दिनों का समय मिलता है जिसे मौसम की अनुकूल खिड़की कहा जाता है। यह समय आमतौर पर मई के महीने में केवल कुछ दिनों के लिए आता है। इस बेहद संक्षिप्त समय सीमा में सैकड़ों पर्वतारोही शिखर पर पहुंचने की कतार में होते हैं, और ऐसे में किसी शव को खोजने और लाने के लिए मार्ग को अवरुद्ध करना या समय नष्ट करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होता है। इस बेहद दुखद स्थिति का एक और दार्शनिक और कड़वा पहलू यह है कि समय के साथ ये शव एवरेस्ट के रास्तों के स्थायी निशान या संकेतक बन गए हैं। पर्वत पर चढ़ने वाले नए पर्वतारोही इन शवों को देखकर अपने मार्ग, ऊंचाई और दूरी का अंदाजा लगाते हैं। उदाहरण के लिए, एक प्रसिद्ध शव जिसे हरे जूते वाले पर्वतारोही के नाम से जाना जाता है, वह एक भारतीय पर्वतारोही का माना जाता है, जो 1996 के एक भयानक बर्फीले तूफान में मारे गए थे। इसी तरह एक और शव है, जिसे लोग सोती हुई सुंदरी के नाम से याद करते हैं। ये शव वहाँ आने वाले हर इंसान को प्रकृति की सर्वोच्चता और मानव जीवन की क्षणभंगुरता की लगातार याद दिलाते रहते हैं। कई परिवारों ने भी अंततः इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार कर लिया है और वे चाहते हैं कि उनके प्रियजनों का शव उसी पर्वत की गोद में हमेशा के लिए विश्राम करे। एवरेस्ट का यह डरावना सच हमें यह सिखाता है कि मानव विज्ञान और तकनीक चाहे कितनी भी प्रगति कर ले, लेकिन इस ब्रह्मांड में कुछ स्थान ऐसे हैं जहाँ केवल प्रकृति के क्रूर नियम चलते हैं और वहां इंसान की जिद की सीमाएं समाप्त हो जाती हैं। मौत के बाद भी नीचे न लाए जा सकने वाले ये शव एवरेस्ट के गौरव के साथ जुड़े उस अनंत सन्नाटे को बयां करते हैं जो इंसानी अहंकार को अपनी सीमाओं में रहने की चेतावनी देता रहता है।

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का ह्यसूरजह्ल चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज ह्यअस्ताचलह्ल होने लगता है, सियासी ह्यमहफिलह्ल में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ।

पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी

-संजय सक्सेना

रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी।

लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है। राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है। इन सबके बीच एक सवाल जरूर उठता है कि क्या इन नेताओं में से कोई एक भी वैचारिक आधार पर पार्टी बदलता है? जवाब ज्यादातर नकारात्मक ही है। टिकट न मिलना, पद से हटाया जाना, या सत्ता की धूप से दूर हो जाना, यही तीन कारण होते हैं, जो नेताओं को रातोंरात क्रांतिकारी बना देते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, तो उन्होंने पार्टी ही बदल दी। जितिन प्रसाद को उत्तर प्रदेश में तवज्जो नहीं मिली, तो उन्होंने भाजपा में शरण ली। यह बात और है कि भाजपा ने भी इन्हें उचित महत्व देने में कोई कमी नहीं रखी। तृणमूल के संदर्भ में यह और भी विडंबनापूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी की पहचान हमेशा से एक फाइटर नेता की रही है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अकेले दम पर तृणमूल कांग्रेस बनाई और 2011 में 34 साल पुराने वामपंथ को सत्ता से उखाड़ फेंका। लेकिन आज उनकी खुद की बनाई पार्टी में वही हो रहा है, जो उन्होंने कांग्रेस में महसूस कर-के पार्टी छोड़ी थी। यह राजनीतिक न्याय का एक कड़वा चक्र है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल को रोकने के लिए दसवीं अनुसूची यानी एंटी-डिफेक्शन लॉ बना, लेकिन नेताओं ने उसकी भी काट निकाल ली। दो-तिहाई का फॉर्मूला हो या व्यक्तिगत इस्तीफे का रास्ता, जहां कानून की दीवार खड़ी होती है, सियासतदान वहां सुरंग खोद लेते हैं। तृणमूल के बागियों ने भी यही किया। व्यक्तिगत इस्तीफे देकर या अलग गुट बनाकर वे उस कानूनी जाल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं, जो उन्हें अयोग्य घोषित कर सकता है। असल सवाल यह नहीं है कि ममता के साथी उन्हें क्यों छोड़ रहे हैं या कांग्रेस के दिग्गज भाजपा में क्यों जा रहे हैं। असल सवाल यह है कि भारतीय मतदाता कब तक इस तरह के नेताओं को माफ करता रहेगा? जो नेता आज एक पार्टी की विचारधारा को गाली देकर दूसरी पार्टी में जाता है, वह अगले चुनाव में फिर टिकट मांगता है और अक्सर मिल भी जाता है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है। पश्चिम बंगाल की ताजा सियासत एक आईना है, जिसमें पूरे भारत की राजनीति का चेहरा दिखता है। सत्ता जब तक रहती है, वफादारी की कसमें खाई जाती हैं। सत्ता जाते ही वफादारी के ये धागे खुद-ब-खुद टूट जाते हैं। ममता बनर्जी ने जो बोया था, वह काटने का वक्त आ गया। लेकिन इस फसल से सीख सिर्फ ममता के लिए नहीं, हर उस दल के लिए है, जो अपने नेताओं को विचारधारा की बजाय सत्ता के लालच पर टिकाए रखता है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि संगठन की जड़ें सत्ता की जमीन में नहीं, जनता के विश्वास में होती हैं। जिस दिन यह जड़ें मजबूत होंगी, उस दिन मौकापरस्तों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित 3 साल की बच्ची को डॉक्टरों ने दी नई ज़िंदगी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सातवें महीने में समय से पहले पैदा हुई और सिर्फ 1250 ग्राम वजन वाली इस बच्ची ने पहले तीन महीने ठक्ठव में बिताए; जहाँ उसके छोटे से शरीर को स्थिर होने और बढ़ने की कोशिश की गई। उसने 16 महीने की उम्र में चलना शुरू कर दिया; लेकिन वह ज्यादातर अपने पंजों पर चलती थी। हालाँकि, जल्द ही यह साफ हो गया कि उसकी ग्रोथ सामान्य पैटर्न के अनुसार नहीं हो रही थी। कई माता-पिता के लिए, बच्चे का पहला कदम खुशी का पल होता है, लेकिन एक परिवार के लिए, उनकी बेटी का पहला कदम चिंता का कारण बन गया। मुंबई के नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ,पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. तरल नागदा के नेतृत्व में 'स्पास्टिक डिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी' से पीड़ित 3 साल की बच्ची का सफल इलाज किया गया। इलाज से उसके चलने में काफी सुधार हुआ और वह पहले नैचुरल मूवमेंट की ओर बढ़ने लगी। जांच में उसके पैरों की मांसपेशियों में अकड़न का पता चला। बाद में MRI में दिमाग में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण दिखे और उसे स्पास्टिक डिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी का पता चला। वह पहले रेगुलर फिजियोथेरेपी करवा रही थी; लेकिन, उम्मीद के मुताबिक सुधार नहीं हो रहा था। इसके बाद, डॉक्टरों की टीम ने एक मिला-जुला इलाज अपनाया। इसमें बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन से मांसपेशियों की अकड़न कम करना और वरक्ष्/गाइडेड परक्यूटेनियस मायोफेशियल रिलीज प्रोसीजर से टाइट मांसपेशियों को ढीला करना शामिल था। यह प्रोसीजर लगभग एक घंटे में पूरा हो गया और इसमें कोई बड़ी सर्जरी या बहुत ज्यादा ब्लीडिंग नहीं हुई। इलाज के तुरंत बाद लड़की के पैरों की हालत में सुधार हुआ। प्लास्टर और रिहैबिलिटेशन की मदद से वह बाद में सहारे के साथ चलने लगी। मुंबई नारायण हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ,पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिस्ट डॉ. तरल नागदा ने कहा कि ऐसे बच्चों में समय पर इलाज से गलत चलने की आदतों को परमानेंट होने से रोका जा सकता है। ऐसे मामलों में समय पर इलाज से बच्चों की मोबिलिटी, कॉन्फिडेंस और भविष्य के फिजिकल डेवलपमेंट में बड़ा पॉजिटिव बदलाव आ सकता है।

तुलिंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई: विदेशी नागरिक से 1.39 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा तुलिंज पुलिस स्टेशन के आतंकवाद विरोधी प्रकोष्ठ (एटीसी) ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 278 ग्राम कोकीन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1 करोड़ 39 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 11 जून 2026 को शाम करीब 5 बजे वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के निर्देश पर एटीसी की टीम अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों तथा मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ गश्त और कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान पुलिस हवलदार सचिन कांबले को एक गुप्त सूचनादाता से जानकारी मिली कि प्रगतिनगर, नालासोपारा पूर्व स्थित तारानगर बसेरा अपार्टमेंट में एक विदेशी नागरिक नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तारानगर बसेरा अपार्टमेंट के कमरा नंबर 409 पर छापा मारा। पंचों की उपस्थिति में की गई तलाशी के दौरान 38 वर्षीय विदेशी नागरिक एन' गुएस्सन मार्क कॉफी उर्फ पीटर ओक्राफोर, निवासी कमरा नंबर 409, तारानगर बसेरा अपार्टमेंट, हाईटेंशन रोड, प्रगतिनगर, नालासोपारा पूर्व तथा मूल निवासी आइवरी कोस्ट गणराज्य, के कब्जे से 278 ग्राम कोकीन बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि बरामद कोकीन पीले और भूरे रंग के दानेदार पाउडर के रूप में थी, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 39 लाख रुपये है। बरामदगी के बाद आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में तुलिंज पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8(ए), 21(ए), 22(ए), 29 तथा आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम 2025 की धारा 5/9, 3 और 23 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक राहुल फड़ कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त परिमंडल-2 सुहास अशोक बिरकर सहायक पुलिस आयुक्त तुलिंज उमेश माने पाटील तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में सुनील पवार, राहुल फड़, पांडुरंग केंद्रे, श्रीधर कांबले, इस्माइल चपरिवान, सचिन कांबले, अजिनाथ गीते, रावसाहेब राजगे, कांबले और दावाने सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पिजन का 'पुराने को करो नए से एक्सचेंज ऑफर

मुंबई। इंडिया की लीडिंग किचन और होम अप्लायंस कंपनियों में से एक और पॉपुलर पिजन ब्रांड की निमार्ता कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने अपना न्यू एक्सचेंज ऑफर लॉन्च किया है। इस ऑफर के तहत कस्टमर्स किसी भी ब्रांड के पुराने कुकवेयर और किचन अप्लायंसेज को, उनकी स्थिति चाहे जैसी भी हो, एक्सचेंज कर सकते हैं और बदले में पिजन के मॉडर्न प्रोडक्ट्स की वाइड रेंज पर 50% तक की अट्रैक्टिव डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑफर देशभर के प्रमुख कुकवेयर और किचन अप्लायंस स्टोर्स के साथ-साथ 330 से ज्यादा पिजन एक्सक्लूसिव आउटलेट्स पर उपलब्ध है। पिजन के प्रोडक्ट की रेंज में प्रेशर कुकर, कुकटॉप, मिक्सर ग्राइंडर, एयर फ्रायर, इंडक्शन कुकटॉप, इलेक्ट्रिक राइस कुकर, ओटीजी, चिमनी, हॉब्स और अन्य कई किचन उत्पाद शामिल हैं। इस ऑफर को ह्यपुराने को करो नए से एक्सचेंज' नाम से प्रचारित किया जा रहा है, जिसके लिए टेलीविजन, प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया और स्थानीय एक्टिवेशन के माध्यम से व्यापक मल्टीमीडिया अभियान चलाया जा रहा है।

माधुरी दीक्षित ने जे.बी. नगर के दिनों को याद किया, कहा खुशी सब कुछ होने पर निर्भर नहीं करती

मुंबई/पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आने वाला इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5, जो इंडिया वाला डांस का जश्न मना रहा है, दर्शकों को एक भावुक और नॉस्टैल्जिक पल देगा। इस एपिसोड में माधुरी दीक्षित, जो फि ल्म माँ बहन में अपना किरदार निभाती नजर आएंगी, अपने बचपन, पारिवारिक मूल्यों और स्टारडम तक की यात्रा को याद करती हैं। उन्हें उनकी ज़िंदगी और करियर का जश्न मनाने वाला एक विशेष वीडियो दिखाया गया, जिसके बाद माधुरी ने मुंबई के जे.बी. नगर में बिताए अपने बचपन की दिल छू लेने वाली यादें साझा कीं। उन्होंने वहाँ की अपनापन भरी कम्युनिटी, छोटी-छोटी खुशियाँ और वे सबक याद किए जो आज भी उनकी ज़िंदगी को देखने का नजरिया तय करते हैं। होस्ट हर्ष लिम्बाचिया के अनुरोध पर अपनी यात्रा को याद करते हुए माधुरी ने सबसे पहले अपने बचपन के मोहल्ले की गर्मजोशी और अपनापन को याद किया। माधुरी दीक्षित ने कहा, इतनी सारी यादें हैं। मैं बड़ी हो रही थी, जो पड़ोसी थे वो भी परिवार के सदस्य हुआ करते थे।

कांग्रेस ने सत्ताधारियों की भूमिका पर साधा निशाना: डोंबिवली जिलाअध्यक्ष अमित म्हात्रे

भाजपा और शिवसेना की सत्ता होने के बावजूद वही दल करते : आंदोलन

चेतन निर्मल

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली में भाजपा और शिवसेना की सत्ता होने के बावजूद वही दल आंदोलन करते नजर आ रहे हैं। इस पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने सत्ताधारियों की भूमिका पर निशाना साधा है। कांग्रेस का कहना है कि जनता सब समझती है कि आखिर सत्ताधारी दल आंदोलन में क्यों उतर रहे हैं।

कांग्रेस डोंबिवली जिला अध्यक्ष अमित म्हात्रे ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महापौर हर्षाली चौधरी से सीधा सवाल किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में महापौर द्वारा फेरीवालों से सामान खरीदने की खबर सामने आई है। ऐसे में महापौर को अपनी स्पष्ट भूमिका बतानी चाहिए कि वे फेरीवालों को हटाने के पक्ष में हैं या उन्हें वहीं रहने देना चाहते हैं।

शहर के विकास, नागरिकों की अपेक्षाओं, बुनियादी जरूरतों और पार्टी संगठन को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा के लिए इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ता मामा पगारे, एकनाथ म्हात्रे, वर्षा शिखरे सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमित म्हात्रे ने आगे कहा कि एक तरफ निलजे में फेरीवालों के खिलाफ शिवसेना आंदोलन करती है, तो दूसरी ओर उसी दल की महापौर फेरीवालों से सामान खरीदती नजर आती हैं। इससे उनकी नीति पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कल्याण-डोंबिवली के परिवहन बसों और कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर भी सत्ताधारी दल पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा।

जो चले गए वे कौवे, जो बचे हैं वे मावले: जब पत्रकारों ने कांग्रेस से अन्य दलों में जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं पर सवाल किया, तो अमित म्हात्रे ने कहा, जो चले गए वे कौवे और जो बचे हैं वे मावले हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अन्य दलों के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता कांग्रेस के संपर्क में हैं और इस पर अंतिम निर्णय पार्टी के वरिष्ठ नेता लेंगे।

पिम्पलेश्वर मंदिर बना राजनीति अखाड़ा - भाजपा शिवसेना दोनो का श्रेय वाद सुरु: सवाल के जवाब में अमित म्हात्रे ने यह भी कहा कि पिम्पलेश्वर मंदिर पर भी भाजपा शिवसेना दोनो श्रेय लेने के लिए दोनो पार्टियों के नेता एक दूसरे को आंखे दिखा रहे है। भगवान के नाम पर दोनो राजनीति कर रहे है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने 1 जुलाई 2026 से अपनी कारों और एसयूवी की कीमतों में वृद्धि करेगा

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड, जो भारत में कारों और एसयूवी का अग्रणी निर्माता है, ने आज घोषणा की कि वह अपने पैसेंजर व्हीकल पोर्टफोलियो की कीमतों में, जिसमें आंतरिक दहन इंजन और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों शामिल हैं, 1 जुलाई 2026 से अधिकतम 1.5% तक वृद्धि करेगा। यह मूल्य संशोधन बढ़ती इनपुट लागत और लगातार मुद्रास्फीति के दबाव के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है। हालांकि व्यवसाय इन लागतों का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रहा है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा इस मूल्य वृद्धि के माध्यम से ग्राहकों पर डाला जा रहा है। मूल्य वृद्धि की सीमा विभिन्न मॉडलों और वेरिएंट्स के अनुसार अलग-अलग होगी, ताकि प्रत्येक उत्पाद का समग्र मूल्य प्रस्ताव बना रहे।

हत्या के प्रयास के मामले में 5 वर्षों से फरार आरोपी गिरफ्तार, नवघर पुलिस की बड़ी सफलता

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने हत्या के प्रयास के मामले में पिछले पांच वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

नवघर पुलिस स्टेशन में वर्ष 2021 में दर्ज अपराध क्रमांक 661/2021 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 120(बी), 323, 504, 506 और 34 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता अरविंद जोगिंदर यादव (32), निवासी भायंदर पूर्व, ने पुलिस को बताया था कि पैतृक गांव में जमीन विवाद को लेकर आरोपी सुरेंद्र मुन्नार यादव, जयप्रकाश उर्फ बच्छी रामखिलावन यादव तथा उनके अन्य साथियों ने उनके पिता और उनके साथ मारपीट की थी। इस दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से शिकायतकर्ता के पिता के पेट में चाकू से वार किया था, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

मामले में आरोपी जयप्रकाश उर्फ बच्छी रामखिलावन यादव (48), निवासी आशीष पैलेस, नवघर एस.वी. रोड, भायंदर पूर्व, घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह पिछले पांच वर्षों से गुजरात के सूरत, उत्तर प्रदेश तथा मीरा-भायंदर क्षेत्र में लगातार ठिकाने बदलकर और वेश बदलकर रह रहा था। वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शानुसार आरोपी की तलाश जारी थी। इसी दौरान नवघर पुलिस की अपराध जांच टीम को आरोपी की मौजूदगी संबंधी गुप्त सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर जाल बिछाकर पुलिस ने 10 जून 2026 को भायंदर पूर्व के बी.पी. रोड क्षेत्र से आरोपी जयप्रकाश उर्फ बच्छी रामखिलावन यादव को गिरफ्तार कर लिया।

पालघर में उर्वरक की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें : कृषि विभाग

● POS प्रणाली से सुचारू रूप से हो रहा खाद वितरण, जिले में 3,805 मीट्रिक टन उर्वरक भंडार उपलब्ध

पालघर(उत्तरशक्ति)। खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच पालघर जिले के किसानों के लिए राहतभरी खबर है। जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने स्पष्ट किया है कि अनुदानित रासायनिक उर्वरकों के वितरण के लिए उपयोग की जाने वाली पॉइंट ऑफ सेल प्रणाली पूरी तरह सुचारू रूप से कार्य कर रही है और खाद वितरण में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं है।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी लाइसेंसधारी कृषि सेवा केंद्रों पर किसानों को आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन अथवा ओटीपी के माध्यम से POS मशीनों द्वारा अनुदानित उर्वरक उपलब्ध कराये जा रहे हैं। ऑनलाइन पोर्टल भी नियमित रूप से संचालित हो रहा है, जिससे सभी तहसीलों में खाद की बिक्री निर्बाध जारी है। कृषि विभाग के अनुसार जिले में वर्तमान में 3,805 मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडार उपलब्ध है, जिसमें 1,347 मीट्रिक टन यूरिया शामिल है। इसके अलावा 1,185 मीट्रिक टन संरक्षित उर्वरक भंडार भी मौजूद है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए 15 दिन पहले ऑनलाइन बुकिंग करने अथवा लंबी प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि कोई कृषि सेवा केंद्र या अन्य व्यक्ति किसानों को ऐसी भ्रामक जानकारी देता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। किसानों से अपील की गई है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और आवश्यक जानकारी के लिए संबंधित तहसील कृषि कार्यालय से संपर्क करें। कृषि विभाग ने यह भी बताया कि जिले में अभी तक संतोषजनक वर्षा नहीं हुई है। ऐसे में किसानों को उर्वरकों की खरीद के लिए अनावश्यक जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। विभाग ने संतुलित खेती के लिए यूरिया के साथ-साथ जैविक एवं मिश्रित उर्वरकों के उपयोग पर भी जोर दिया है। इस संबंध में पालघर डीलर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आशिष पाटील ने कहा कि जिले के सभी अधिकृत विक्रेता ढडर मशीनों के माध्यम से ही खाद की बिक्री कर रहे हैं। पोर्टल पर कभी-कभी अल्पकालिक तकनीकी समस्या आ सकती है, लेकिन 15 दिन पहले ऑनलाइन बुकिंग के बिना खाद नहीं मिलने जैसी कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। उन्होंने किसानों से भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों से दूर रहने की अपील की। कृषि विभाग ने भरोसा दिलाया है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को आवश्यकता अनुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जायेगा और किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जायेगी।

महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल चुनाव में अधिवक्ता हर्षल पाटिल विजयी, समर्थकों में खुशी की लहर मिल रही शुभकामनाएँ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र एवं गोवा बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठित और बेहद चर्चित चुनाव में भिवंडी के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता हर्षल प्रमोद पाटिल ने शानदार जीत दर्ज कर जिले का नाम रोशन किया है। 24 मार्च को संपन्न हुए इस चुनाव की मतगणना 6 अप्रैल से शुरू हुई थी। महाराष्ट्र और गोवा के लगभग 1 लाख 80 हजार मतदाताओं वाले इस चुनाव में अधिवक्ता हर्षल पाटिल को प्रथम वरीयता के 1987 वोट तथा कुल 3683.5 मत प्राप्त हुए।अधिवक्ता हर्षल पाटिल इससे पहले भिवंडी बार एसोसिएशन के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष के रूप में भी संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाई है। उनके परिवार का विधि क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। उनके पिता वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद पाटिल भी पूर्व में महाराष्ट्र एवं गोवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं। हर्षल पाटिल की जीत के बाद वकील समुदाय में उत्साह का माहौल है। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल, विधायक महेश चौघुले, भाजपा शहर अध्यक्ष रवी सावंत तथा भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई दी है। विशेष बात यह है कि महाराष्ट्र-गोवा बार एसोसिएशन के चुनावी इतिहास में पहली बार ठाणे जिले से दो सदस्य निर्वाचित हुए हैं। इनमें अधिवक्ता हर्षल पाटिल के साथ अधिवक्ता गजानन चव्हाण का भी चयन हुआ है। इस उपलब्धि को ठाणे जिले के विधि जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

कोली समुदाय के मुद्दों का समाधान निकालने के लिए मंगल प्रभात लोढ़ा ने दिया निर्देश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गिरगांव चौपाटी से कोली समुदाय की नौकाएं हटाने के कारण उत्पन्न स्थिति का राज्य के मंत्री और स्थानीय विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने तत्काल संज्ञान लिया है और संबंधित तंत्र को आवश्यक निर्देश दिए हैं। इस संदर्भ में, कोली समाज के प्रतिनिधियों ने मंगल प्रभात लोढ़ा से मुलाकात की और अपना पक्ष रखा। उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए, मंगल प्रभात लोढ़ा ने तत्काल बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सह-आयुक्त और मत्स्य पालन विभाग के आयुक्त से टेलीफोन पर संपर्क किया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कोली समुदाय के साथ समन्वय बनाकर सहयोग करने और कोई भी कार्रवाई करते समय उनकी आजीविका व पारंपरिक अधिकारों का व्यापक विचार करने के स्पष्ट निर्देश दिए। गिरगांव चौपाटी परिसर मुंबई की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यहाँ लंबे समय से कोली समाज पारंपरिक तरीके से अपनी आजीविका चला रहा है। इस पृष्ठभूमि में, विकास कार्यों और स्थानीय लोगों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, इस बात पर उन्होंने जोर दिया।

इस संदर्भ में मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि गिरगांव चौपाटी पर कोली समुदाय का मुद्दा अत्यंत संवेदनशील है। प्रशासन और स्थानीय समुदाय के बीच उचित समन्वय बनाकर ही इस समस्या का हल निकाला जाना चाहिए। जब तक कोली समुदाय के लिए गिरगांव चौपाटी पर उचित स्थान या वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो जाती, तब तक हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। मुंबई सबसे पहले कोली समुदाय की है। कोली समुदाय की आजीविका और उनके पारंपरिक अधिकारों का सम्मान करते हुए सकारात्मक समाधान निकले, इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। इस मामले में सभी संबंधित घटकों के बीच संवाद के माध्यम से मार्ग निकालने को प्राथमिकता दी जाएगी और जल्द ही इस पर सकारात्मक समाधान निकलेगा, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया है।

दसवीं-बारहवीं पूरक परीक्षाओं के लिए पालघर जिला पूरी तरह तैयार

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित जून-जुलाई 2026 की दसवीं और बारहवीं पूरक परीक्षाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए पालघर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल की घटना को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। इसी संबंध में जिला सतर्कता समिति की बैठक 11 जून को जिला जिलाधिकारी कार्यालय में निवासी उप जिलाधिकारी सुभाष भागड़े की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रश्नपत्रों और उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित वितरण, संकलन तथा परिवहन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परीक्षा अवधि के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बैकअप व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गये हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास नकल एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी रखी जायेगी। इसके लिए उड़नदस्तों और स्थायी जांच दलों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जायेगा। प्रशासन का उद्देश्य विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा देने का अवसर उपलब्ध कराना है। बैठक में प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि अभिजीत पाटील, पुलिस आयुक्त कार्यालय के प्रतिनिधि वसंत लबदे, विद्युत वितरण विभाग के कार्यकारी अभियंता सुरेंद्र मुंगारी, डायट के प्राचार्य संभाजी भोजने, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर, शिक्षा अधिकारी (योजना) शेषराव बडे, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील तथा उप शिक्षा अधिकारी शैलेश सुर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

15 जून को पालघर जिले में धूमधाम से मनाया जायेगा स्कूल प्रवेशोत्सव

552 स्कूलों में जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी करेंगे दौरा, नवप्रवेशित विद्यार्थियों का होगा भव्य स्वागत

पालघर। नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत को उत्सव का रूप देते हुए पालघर जिले में 15 जून को स्कूल प्रवेशोत्सव बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर जिले के 552 विद्यालयों में जनप्रतिनिधि, श्रेणी-1 एवं श्रेणी-2 अधिकारी पहुंचकर नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे तथा विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में प्रवेशोत्सव की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर ने बताया कि स्कूल पूर्व तैयारी अभियान, विद्यार्थियों के स्वागत, पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश वितरण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। वहीं माध्यमिक शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) पालघर के प्राचार्य संभाजी भोजने ने भी विद्यालय स्तर पर सभी तैयारियां पूरी होने की जानकारी दी। राज्य शासन के निदेर्शानुसार आयोजित इस प्रवेशोत्सव में पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया जायेगा। साथ ही विद्यार्थियों के पहले स्कूल दिवस को यादगार बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। विद्यालयों में विद्यालय पूर्व तैयारी अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक स्टॉल लगाये जायेंगे। विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों के साथ संवाद किया जायेगा। इसके अलावा शैक्षणिक गुणवत्ता की समीक्षा, ह्यनिपुण महाराष्ट्रह्न अभियान की जानकारी, विद्यालयों की भौतिक सुविधाओं का निरीक्षण, मध्यान्ह भोजन तथा प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। प्रवेशोत्सव के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश और पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जायेगा। जिला प्रशासन के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों के प्रति अभिभावकों का विश्वास मजबूत करना तथा बच्चों को आनंदमय और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। जिला स्तर पर आयोजित नियोजन कार्यशाला के बाद सभी विद्यालयों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऐसे में 15 जून को पूरे पालघर जिले के स्कूलों में नवागत विद्यार्थियों के स्वागत का उत्सवी माहौल देखने को मिलेगा और शिक्षा के नए सत्र की आनंददायी शुरूआत होगी।

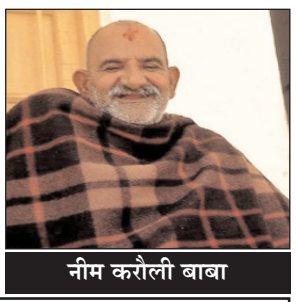

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दो बच्चों के पिता ने फांसी लगाकर दी जान

◆ **बहन की शादी की खुशियां मातम में बदली**

रामकुमार गुप्ता

रेणुकोट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन ग्राम पंचायत के भठवां टोला में गुरुवार रात एक युवक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं 21 जून को होने वाली उसकी बहन की शादी की खुशियां भी मातम में बदल गई हैं। मृतक की पहचान विजय पुत्र तेजबली (28 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार विजय दो बच्चों के पिता थे और पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवादों के कारण मानसिक तनाव में चल रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी मायके में रह रही थी।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार रात विजय अपने कमरे में सोने के लिए गए थे। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे तक कमरे से बाहर नहीं निकलने पर परिजनों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलकर देखने पर उनका शव कमरे में लगे पंखे से फंदे के सहारे लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही चोपन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

परिजनों ने बताया कि परिवार में विजय की बहन उर्मिला की शादी आगामी 21 जून को होनी थी, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। लेकिन इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लोहिया पार्क एवं गौराबादशाहपुर सहित कई स्थानों पर आयोजित हुआ योग शिविर

लोगों को कराया गया योगाभ्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके क्रम में आज प्रातःकाल लोहिया पार्क, श्री हनुमान मंदिर, गौराबादशाहपुर सहित अन्य स्थानों पर योग शिविर आयोजित किए गए।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश श्री दयाशंकर मिश्र दयालु, प्रमुख सचिव आयुष विभाग रंजन कुमार, विशेष सचिव आयुष विभाग श्री मदन सिंह गर्ब्याल तथा मिशन निदेशक आयुष विभाग चैत्रा वी. जी. के कुशल नेतृत्व में एवं जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी जौनपुर डॉ. कमल के द्वारा आयोजित शिविरों में योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

लोहिया पार्क में योग प्रशिक्षक अरविंद कुमार यादव ने उपस्थित लोगों को आसन, प्राणायाम, बंध एवं ध्यान का विधिवत अभ्यास कराया तथा नियमित योग के लाभों के बारे में जानकारी दी। वहीं श्री हनुमान मंदिर, गौराबादशाहपुर में योग प्रशिक्षक श्री योगेश दत्त शुक्ल ने योग साधकों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, जोड़ों के दर्द में राहत, पाचन तंत्र को सक्रिय करने एवं फेफड़ों को मजबूत बनाने हेतु विभिन्न सूक्ष्म व्यायाम एवं योगासनों का अभ्यास कराया। शिविर में ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वक्रासन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, अर्द्धचंद्रासन, अर्द्धचक्रासन, पादहस्तासन तथा गोमुखासन सहित अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, शीतली, शीतकारी एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को शुद्ध एवं संतुलित आहार अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए नियमित योग करने हेतु प्रेरित किया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं योग साधकों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया।

भीषण गर्मी एवं लू से बचाव के लिए मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बढ़ते तापमान एवं हीट वेव (लू) के खतरे को देखते हुए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा मरीजों, तीमारदारों एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से अस्पताल परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो० आर० बी० कमल के मार्ग दर्शन में जनरल मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डा0 जितेन्द्र कुमार एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डा0 मुदित चैहान द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्य प्रो० आर० बी० कमल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान थोड़ी-सी सावधानी से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकता है। उन्होंने लोगों को दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, ओआरएस एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने, धूप में निकलते समय सिर को ढकने तथा हल्के सूती वस्त्र पहनने की सलाह दी। दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए तथा बच्चों, बुजुर्गों एवं गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रधानाचार्य के निर्देश पर कार्यक्रम के दौरान मरीजों एवं उनके तीमारदारों को निःशुल्क ओआरएस वितरित किया गया तथा उन्हें गर्मी से बचाव के सरल एवं प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए० ए० जाफरी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान मौसम में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों को समय रहते सावधानी बरतने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में हीट वेव से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल कालेज जौनपुर में इमरजेंसी सुविधा 24७7 संचालित है। किसी भी मरीज को किसी प्रकार की दिक्कत होने पर वह निःसंकोच आकर इलाज करा सकता है।

मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डा० जितेन्द्र कुमार ने प्रोजेक्टर के माध्यम से हीट वेव एवं हीट स्ट्रोक के लक्षणों, कारणों तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक तेज धूप या अत्यधिक गर्म वातावरण में रहने से शरीर का तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है, जिससे बेहोशी, दौरे एवं अन्य गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चक्कर आना, अत्यधिक प्यास लगना, सिरदर्द, उल्टी, तेज बुखार या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। लू से बचाव के लिए जागरूकता एवं सतर्कता ही सबसे प्रभावी उपाय है।

बाल रोग विभाग के सहायक आचार्य डा० अरविन्द यादव ने बताया कि छोटे बच्चे लू के प्रभाव से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों को पर्याप्त पानी एवं अन्य तरल पदार्थ देने, धूप से बचाने तथा किसी भी असामान्य लक्षण पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की सलाह दी।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मुदित चैहान ने जनसामान्य से अपील की कि वर्तमान भीषण गर्मी एवं लू के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने बताया कि अनावश्यक रूप से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी, ओआरएस, नींबू पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें तथा हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनें। इस अवसर पर डा0 नवीन सिंह, डा0 पूजा पाठक, डा0 अनिल कुमार, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 मिथिलेश गुप्ता, डा0 दीपिका शाव, डा0 जयन्त शर्मा, डा0 सन्दीप सिंह तथा कर्मचारी , मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

वरिष्ठ व प्रबुद्ध जनों से मिले भाजपा नेता पूर्व विधायक दिनेश चौधरी

गिनाई सरकार की उपलब्धियां, अंगवस्त्र भेंट कर किया सम्मान, पुस्तिका भी सौंपी

डबल इंजन सरकार के प्रति लोगों में संतोष, फिर भाजपा सरकार बनने का जताया भरोसा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर विधानसभा क्षेत्र केराकत के मंडल थानागद्दी एवं मंडल केराकत में भाजपा नेता एवं केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी नें वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध जनों से जनसंपर्क अभियान के तहत मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों का कुशलक्षेम जाना और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही पार्टी द्वारा प्रकाशित पुस्तिका भी उन्हें प्रदान की।

जनसंपर्क अभियान के दौरान लोकप्रिय संघर्षशील गरीबों के मसीहा हिन्दू मुस्लिम को साथ लेकर चलने वाले भाजपा नेता एवं केराकत विधानसभा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में देश और प्रदेश में विकास के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। इस अवसर पर वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी लोगों से चर्चा की गई। पूर्व विधायक भाजपा नेता ने दावा किया कि आमजन में केंद्र और प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर संतोष का भाव है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनाने के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। अभियान के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एआरपी कार्यशाला का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर समीर के निर्देशन में निपुण भारत मिशन एवं शैक्षिक संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय दो दिवसीय एआरपी कार्यशाला का आयोजन 11 एवं 12 जून 2026 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में निपुण भारत मिशन के विभिन्न बिंदुओं पर आधारित गतिविधियों तथा कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों के शैक्षिक संवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक समझ विकसित की गई।

कार्यशाला के दौरान एनबीएमसी (NBMC) पोर्टल पर नैट (NAT) से संबंधित सभी रिपोर्टों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने, प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने तथा विद्यालय स्तर पर निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। सभी विकास समय से ब्लॉक डेवलपमेंट प्लान (BDP) प्लान तैयार कर पोर्टल पर अपलोड करने तथा खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा इसकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए 5 प्वाइंट टूल्स किट के प्रभावी अनुपालन तथा सभी एआरपी द्वारा सपोर्टिव सुपरविजन के निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण विकसित करना आवश्यक है।

कार्यशाला में खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, डीसी ट्रेनिंग, डीसी निपुण, डीसी एमआईएस, एसआरजी तथा एआरपी सहित शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने मनाया सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में

स्वास्थ्य विभाग, जौनपुर द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में हुए विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश कुमार सिंह 'प्रिंशू' रहे। उन्होंने अपने संबोधन में पिछले 12 वर्षों के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

इस अवसर पर आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित किए गए। साथ ही टीबी मरीजों को निःक्षय पोषण पोटली प्रदान कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए सहयोग दिया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं आईएमए के पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम ने जनपदवासियों से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग आमजन को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यक्रम में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. प्रभात कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सत्यव्रत त्रिपाठी सहित चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुशील अग्रहरी ने किया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से श्रमिक की मौत, दो माह पूर्व हुई थी शादी-मचा कोहराम

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अब्बोपुर गांव निवासी एक श्रमिक की शुक्रवार को आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र में निमार्णाधीन मकान की छत पर शटरिंग का कार्य करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

अब्बोपुर निवासी 22 वर्षीय प्रमोद बिंद पुत्र संतू बिंद मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। शुक्रवार सुबह वह दीदारगंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गांव फुलेश में मीना देवी के निमार्णाधीन मकान की छत पर शटरिंग का कार्य करने गया था। कार्य के दौरान वह छत के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया।

साथ में काम कर रहे श्रमिकों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। आनन-फानन में उसे उपचार के लिए शाहगंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर घर चले आए। मृतक की शादी महज दो माह पूर्व हुई थी। उसकी असमय मौत से पत्नी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची दीदारगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीयूकैट-2026 : आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून तक बढ़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित पूर्वांचल विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पीयूकैट)-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी अब 20 जून 2026 तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पहले 10 जून तक आवेदन की तिथि थी। प्रो. मिथिलेश सिंह, समन्वयक, पीयूकैट-2026 ने बताया कि पात्रता परीक्षा के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी भी प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश के समय अपनी योग्यता से संबंधित सभी अंकपत्र एवं आवश्यक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे। प्रवेश प्रक्रिया, आवेदन शुल्क, महत्वपूर्ण तिथियों, संचालित पाठ्यक्रमों तथा उपलब्ध सीटों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

हाईडिल भूमि विवाद पहुंचा हाईकोर्ट, डीएम की मौजूदगी में होगी पैमाइश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज के आजमगढ़ रोड स्थित हाईडिल विभाग की भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला अब इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने प्रशासन से अतिक्रमण संबंधी विस्तृत रिपोर्ट तलब करते हुए सख्त रुख अपनाया है।

न्यायालय ने निर्देश दिया है कि विवादित भूमि की पैमाइश जिलाधिकारी की मौजूदगी में कराई जाए और उसकी पूरी रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि संबंधित भूमि पर वर्तमान में किसका कब्जा है तथा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों में कितनी सच्चाई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि रिपोर्ट तैयार करने में किसी प्रकार की लापरवाही या तथ्य छिपाने की कोशिश पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए शाहगंज के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को भी न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासनिक अमले में हलचल तेज हो गई है। अब जिला प्रशासन द्वारा कराई जाने वाली पैमाइश और जांच के आधार पर पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

हाईडिल भूमि पर कब्जे के आरोपों को लेकर चल रहे इस विवाद में अगली सुनवाई 6 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में होगी। न्यायालय के सख्त रुख के बाद मामले पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

जिला महिला चिकित्सालय का सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण, मरीजों से जानी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम ने शुक्रवार को जिला महिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों एवं ओपीडी का निरीक्षण किया तथा मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मरीजों ने बताया कि उन्हें चिकित्सालय से आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और उनका समुचित उपचार भी किया जा रहा है। मरीजों की प्रतिक्रिया पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संतोष व्यक्त किया।

सीएमओ ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में आने वाले सभी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने पेयजल, साफ-सफाई

तथा मरीजों एवं तीमारदारों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

डॉ. गौतम ने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए। सीएमओ ने अस्पताल प्रशासन को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने तथा मरीजों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

एंटी करप्शन टीम ने 22 हजार रिश्वत लेते हुए बिजली विभाग के जेई को किया गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन टीम ने बिजली विभाग के एक अवर अभियंता (जेई) सुखदेव रस्तोगी को 22000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एंटी करप्शन टीम की इस कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मचा है।

निरीक्षक उमाशंकर यादव ने बताया की टकटकपुर निवासी शिकायतकर्ता अमित कुमार श्रीवास्तव ने मंशानगर कालोनी में अपने नए मकान के निर्माण कार्य के लिए एक अस्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए 6 जून को ऑनलाइन आवेदन किया था। इस आवेदन की पैरवी के लिए वे 10 जून को विद्युत उपकेंद्र पांडेयुपर के जेई सुखदेव रस्तोगी से मिले। जेई ने कनेक्शन देने के एवज में अमित से 22,000 रुपये रिश्वत की मांग की। जेई ने रिश्वत की रकम लेने के लिए आवेदक को 12 जून को उनके प्लॉट पर ही बुलाया। उधर, शिकायतकर्ता की लिखित शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन थाना वाराणसी मंडल की टीम ने शुक्रवार सुबह ही टकटकपुर स्थित मंशानगर कालोनी में घात लगाकर बैठ गई।

करीब 11.44 बजे जैसे ही आरोपी जेई सुखदेव रस्तोगी वहां पहुंचा और शिकायतकर्ता से वैध कार्य के बदले 22,000 रुपये की रिश्वत ली, एंटी करप्शन की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद जब मौके पर ही आरोपी जेई का हाथ धुलवाया गया, तो केमिकल रिएक्शन के कारण पानी का रंग गुलाबी हो गया। जिससे पता चल गया कि आरोपी ने रिश्वत के रुपयों को छुआ था। टीम ने उसके कब्जे से रिश्वत की पूरी रकम भी बरामद कर ली है। इस मामले में आरोपी जेई के खिलाफ थाना कैंट कमिश्नरेट वाराणसी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पिता की डांट से नाराज किशोरी ने लगाई फांसी

कमरे में मिली लाश, परिजनों में कोहराम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लंका थाना क्षेत्र के जानकी बाग कॉलोनी में 14 वर्षीय किशोरी की मौत से इलाके में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पढ़ाई को लेकर माता-पिता की नाराजगी के बाद किशोरी नाराज हो गई थी इसके बाद बाद गुरुवार सुबह फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही लंका पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम से जांच कराने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान नैंसी उपाध्याय (14) के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता के साथ जानकी बाग कॉलोनी के पास किराए के मकान में रहती थी। उसके पिता श्रवण उपाध्याय मूल रूप से बिहार के कैमूर जिले के मोहनिया रोड क्षेत्र के निवासी हैं और वाराणसी में रहकर निजी कार्य करते हैं।

एनएसजी कमांडो लिखी चमचमाती नीली बत्ती स्कार्पियो में निकला पूर्व प्रधान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। फूलपुर थाना क्षेत्र में एनएसजी कमांडो लिखी नीली बत्ती लगी स्कॉर्पियो से घूम रहे एक व्यक्ति पर पुलिस ने कार्रवाई की है। जांच में उक्त व्यक्ति की पहचान दिनेश कुमार यादव पुत्र राजदेव यादव, निवासी देवजी, थाना फूलपुर, वाराणसी के रूप में हुई, जो पूर्व प्रधान बताया जा रहा है। पुलिस को वाहन पर अवैध रूप से नीली बत्ती और एनएसजी कमांडो लिखे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक फूलपुर ने वाहन की जांच कराई। जांच में आवश्यक अनुमति और वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर पुलिस ने स्कॉर्पियो को सीज कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को बिना वैधानिक अधिकार के सरकारी पहचान या विशेष सुरक्षा बलों का नाम उपयोग करने की अनुमति नहीं है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जज ने पूछा-छूटोगे तो क्या करोगे, बोला- हत्या करूंगा

गाजीपुर कोर्ट ने हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई, जज ने फौरन सजा सुनाते हुए कहा- इसे मरते दम तक लटकाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजीपुर में 4 साल के भांजे की गला काटकर हत्या करने वाले मामा अमजद खान को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। पीड़ित पक्ष के वकील अखिलेश सिंह ने बताया, गुरुवार को फैसला सुनाने से पहले जज शक्ति सिंह ने हत्यारे मामा से पूछा- अगर तुमको छोड़ दिया गया तो क्या करोगे? दोषी अमजद खान बोला- अगर कोई मुझसे उलझेगा तो मैं उसकी भी हत्या कर दूंगा। अमजद का जवाब सुनकर जज शक्ति सिंह हैरान रह गए। उन्होंने फिर पूछा- तुम्हें तुम्हारे किए पर कोई पछतावा है दोषी मामा बोला- बिल्कुल नही । जज शक्ति सिंह ने कहा- इसको तब तक फांसी पर लटकाओ, जब तक इसकी मौत न हो जाए। फैसला सुनाने के बाद जज ने अपने पेन की निब तोड़ दी।

रोजगार मेले में कैम्पस सलेक्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासन व जिला प्रशासन के निदेशानुसार जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में 12 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर परिसर जौनपुर की मोटर वर्कशॉप में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी मारूति सुजुकी के द्वारा आई0टी0आई0 पास 250 से अधिक अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कम्पनी द्वारा किया गया शार्टलिस्ट किये जाने के बाद अभ्यर्थियों को अहमदाबाद स्थित मारूति प्लांट हेतु भेजा जाएगा। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को बताया गया कि इसी तरह रोजगार मेले के माध्यम से निरंतर सेवायोजन कार्यालय द्वारा ह्यकैम्पस सलेक्शन कर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जायेगा। रोजगार मेले में सेवायोजन एवं आई0टी0आई0 के स्टाफ मौजूद रहें।

करोड़ों रुपये की चोरी करने वाला शातिर चोर पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कमिश्नरेट के शिवपुर थाना क्षेत्र के ऊंदी ताल के पास शुक्रवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। शिवपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश के पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। वहीं मौके से भाग रहे साथी को भी दौड़ाकर दबोच लिया गया। घायल बदमाश की पहचान विशाल के रूप में हुई है, जो पिछले दिनों जीएसटी अधिकारी के घर हुई करोड़ों रुपये की चोरी का मुख्य आरोपी है। शुक्रवार की सुबह करीब 5:30 बजे शिवपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ऊंदी ताल के पास संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध आते दिखे। पुलिस टीम ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया, तो बदमाशों ने खुद को घिरा देख पुलिस बल पर फायरिंग झोंक दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में शातिर अपराधी विशाल के पैर में गोली लग गई, जिससे वह वहीं गिर पड़ा। वहीं, मौके का फायदा उठाकर भाग रहे उसके साथी रोहित को शिवपुर पुलिस ने घेराबंदी कर दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल विशाल को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ पहले से ही अलग-अलग थानों में 12 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। उधर, पूछताछ में सामने आया कि पिछले दिनों शिवपुर थाना क्षेत्र में एक जीएसटी अधिकारी के आवास पर करोड़ों रुपये की बड़ी चोरी की घटना हुई थी। विशाल ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश में जुटी हुई थी। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक तमंचा, दो खोखा, एक जिंदा कारतूस, और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है, जिससे चोरी के माल की बरामदगी और उनके अन्य साथियों का पता लगाया जा सके।

सघन पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां तेज, 28 जून से चलेगा विशेष अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सघन पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ 28 जून 2026 को किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिन सभी पोलियो बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 जून से 3 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं 5 जुलाई को बी-टीम गतिविधि संचालित की जाएगी।

अभियान के तहत जनपद में 1,866 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। घर-घर भ्रमण के लिए 1,242 टीमें, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन एवं प्रमुख चौराहों पर 105 ट्रांजिट टीमें तथा ईंट-भट्ठों पर 52 विशेष टीमें तैनात की जाएंगी। इस दौरान 6,06,187 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने तथा 7,65,825 घरों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिलाधिकारी ने पंचायत राज विभाग, आईसीडीएस, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग सहित सभी संबंधित विभागों एवं ग्राम प्रधानों को अभियान में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए और अभियान की नियमित निगरानी की जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने अपंजीकृत अस्पतालों की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी के लक्षण वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार उपलब्ध कराने तथा विद्यालयों व एनसीसी कैंपों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान बदलापुर और बक्सा के एमओआईसी के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए उनका एक दिन का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवती से छेड़छाड़ व दुष्कर्म के प्रयास का आरोप ,पीड़िता के पिता की तहरीर पर आरोपित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में देर रात घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी युवती और उसके पिता के साथ मारपीट करने का भी आरोप है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

पीड़ित पिता के अनुसार, 10 जून को परिवार के अधिकांश सदस्य एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए बदलापुर गए थे। घर पर वह स्वयं और उनकी करीब 19वर्षीय पुत्री ही मौजूद थे। रात में भोजन के बाद पिता नीचे के कमरे में और पुत्री ऊपर के कमरे में सो रही थी।

आरोप है कि रात करीब दो बजे गांव का ही एक युवक चोरी-छिपे घर में घुस गया और ऊपर कमरे में पहुंचकर सो रही युवती के साथ छेड़छाड़ करने लगा। युवती के शोर मचाने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे पिता ने विरोध किया तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट की। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने पिता को काटकर घायल भी कर दिया।

संजय कपूर, शहीर और मौनी रॉय की मुख्य भूमिकाओं वाली अमेजन एमएक्स प्लेयर की अब होगा हिसाब

मुंबई। भारत की प्रमुख मुफ्त, प्रीमियम और विज्ञापन-आधारित वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजन एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल बदले की कहानी पर आधारित ड्रामा सीरीज अब होगा हिसाब का ट्रेलर जारी किया। पंजाब की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज दो भाइयों बॉबी और बंटी मनोचा की कहानी है, जिनकी ज़िंदगी एक अहम घटना के बाद हमेशा के लिए बदल जाती है। इस कहानी के केंद्र में एक बड़ा सवाल है: अपने लोगों के लिए आप कितनी दूर तक जा सकते हैं? अरे स्टूडियो द्वारा निर्मित इस शो में संजय कपूर और शहीर मुख्य भूमिकाओं में हैं, इनके साथ मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, निमृत कौर अहलूवालिया, हरमन सिंघा और आशीमा वर्धान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब होगा हिसाब का प्रीमियर 18 जून को होगा और इसे केवल अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में स्ट्रीम किया जा सकेगा। ट्रेलर में शहीर और अविनाश मिश्रा द्वारा निभाए गए बॉबी और बंटी मनोचा की ज़िंदगी की एक झलक दिखाई गई है। अपने छोटे भाई को बेहतर भविष्य देने के इरादे से बॉबी दिन-रात मेहनत कर रहा है ताकि बंटी को विदेश भेज सके। उसे विश्वास है कि यही उनके लिए नई ज़िंदगी की शुरूआत होगी। लेकिन जो सपना एक नई उम्मीद के रूप में शुरू होता है, वह जल्द ही एक डरावने सच में बदल जाता है। रहस्यमयी गुमशुदगियों की पृष्ठभूमि में कहानी तब एक अंधेरा मोड़ लेती है, जब संजय कपूर द्वारा निभाया गया ताकतवर और प्रभावशाली व्यक्ति गोल्डी, बंटी को एक शानदार मौका देता है। इसके कुछ समय बाद ही बंटी अचानक रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता है और वह उन कई लोगों की सूची में शामिल हो जाता है, जिनके गायब होने की कोई वजह पता नहीं चलती। जैसे-जैसे और लोग लापता होने लगते हैं, बंटी खुद को शक, धोखे और झूठे आरोपों के खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाता है। अमेजन एमएक्स प्लेयर के डायरेक्टर और कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने कहा, अब होगा हिसाब भाईचारे, बदले और इनके बीच छिपी जटिल भावनाओं की एक बेहद रोमांचक कहानी है। संजय कपूर, शाहीर, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा और कई अन्य कलाकारों की शानदार कास्ट और बेहतरीन कहानी के साथ, यह सीरीज दमदार और यादगार परफॉर्मेंस देती है।

इंडियन कैंसर सोसाइटी ने 'UGAM' के 17 साल पूरे होने का जश्न

Felicitation of the Victors by chief guest, Shri Mangal Prabhat Lodha,Minister of Skill Development, Enterpreneurship Govt of Maharashtra

मुंबई। कैंसर कंट्रोल के लिए समर्पित भारत की पहली वॉलंटरी, नॉन-प्रॉफिट संस्था, इंडियन कैंसर सोसाइटी (क्छर) ने गर्व के साथ यूजीएएम (वक्र्अट) की 17वीं सालगिरह मनाई। यह बचपन के कैंसर से ठीक हुए बच्चों के लिए उनकी मुख्य पहल है। इस कार्यक्रम में मुंबई से कैंसर से ठीक हुए 525 से ज्यादा बच्चे और उनके परिवार, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, सपोर्टर्स और शुभचिंतक शामिल हुए। 2009 में शुरू हुए यूजीएएम की स्थापना एक सरल, लेकिन मजबूत सोच के साथ की गई थी: कैंसर से ठीक होना सफर का अंत नहीं है - यह संभावनाओं, उम्मीदों और मकसद से भरे एक नए अध्याय की शुरूआत है। टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में कैंसर से ठीक हुए बच्चों के एक समूह ने मिलकर आईसीएस (क्छर) का यह वॉलंटरी सपोर्ट ग्रुप शुरू किया था और अब यह पूरे देश में ठीक हुए बच्चों की मदद करने के लिए फैल चुका है। पिछले 17 वर्षों में यूजीएएम (वक्र्अट) भारत में बचपन के कैंसर से ठीक हुए बच्चों के लिए सबसे असरदार कम्युनिटीज? में से एक बन गया है, जो इलाज के बाद की जिंदगी में हजारों युवा सर्वाइवर्स की मदद कर रहा है।

यूजीएएम (वक्र्अट) के सफर से प्रेरित होकर इंडियन कैंसर सोसाइटी पूरे भारत में 19 एसीटी (अउळ) क्लीनिक चला रही है, जिनमें 4,000 से ज्यादा सर्वाइवर (कैंसर से ठीक हुए लोग) शामिल हैं। 'प्रोजेक्ट पिकासो' (कैंसर सर्वाइवरशिप ऑप्टिमाइजेशन में साझेदारी) के जरिए इलाज के बाद भी उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद की जा रही है, जैसा कि इंडियन कैंसर सोसाइटी की उ्रूक्क(मेडिकल अफेयर्स) डॉ. वंदना धामणकर ने बताया। इस साल का जश्न महाभारत की भावना से प्रेरित था, जो हिम्मत, ताकत, दोस्ती और जिंदगी की लड़ाइयों में जीत का प्रतीक है। इसका विषय था संघर्ष से साहस तक (यानी संघर्ष से सफलता तक) और सचमुच इस कार्यक्रम के हर हिस्से ने इस विषय की असली भावना को दिखाया।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। खास मेहमान के तौर पर टाटा मेमोरियल सेंटर के डीन (एकेडमिक प्रोजेक्ट्स) और टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन के मुख्य सलाहकार डॉ. कैलाश शर्मा मौजूद थे। इनके साथ जाने-माने ऑन्कोलॉजिस्ट, साइको-ऑन्कोलॉजिस्ट, दान देने वाले, ट्रस्टी और इंडियन कैंसर सोसाइटी के समर्थक भी शामिल हुए।

शंकरा आई हॉस्पिटल के 'रेनबो स्कूल स्क्रीनिंग प्रोग्राम' ने पूरे भारत में की 2.33 लाख से ज्यादा बच्चों के आंखों की जांच

नवी मुंबई/पनवेल। बच्चों की आंखों की देखभाल और शुरूआती इलाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए शंकरा आई हॉस्पिटल ने जून 2022 से मार्च 2026 के बीच अपना ऱरेनबो स्कूल स्क्रीनिंग प्रोग्रामऱ सफलतापूर्वक चलाया। इसके तहत भारत के कई इलाकों में 2.33 लाख से ज्यादा स्कूली बच्चों की आंखों की जांच की गई। इस बड़े पैमाने पर शुरू की गई पहल का मकसद स्कूली बच्चों में आंखों से जुड़ी समस्याओं का शुरूआती दौर में ही पता लगाना और समय पर इलाज सुनिश्चित करना था, जिससे भविष्य में आंखों की गंभीर समस्या या सीखने में कठिनाई जैसी परेशानियों से बचा जा सके।

प्रोग्राम के डेटा के अनुसार प्रोजेक्ट की अवधि के दौरान 563 स्कूलों में कुल 233,357 बच्चों की जांच की गई। जांच के दौरान आंखों से जुड़ी कई समस्याओं का पता चला, जिसके बाद जिन बच्चों को नजर ठीक करने के लिए चश्मे की जरूरत थी, उन्हें 7,801 चश्मे मुफ़्त में दिए गए। इसके अलावा आंखों की गंभीर समस्याओं वाले बच्चों की दृष्टि बचाने के लिए 32 सफल सर्जरी भी की गई। यह प्रोग्राम समय के साथ लगातार आगे बढ़ा और विभिन्न भागीदारों व समुदाय के लोगों के साथ मिलकर अपनी पहुंच बढ़ाई। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) पहल और आउटरीच पार्टनरशिप की मदद से ठाणे, उरण, मुंबई और अन्य जरूरतमंद समुदायों में भी विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाए गए।

इस पहल के बारे में बात करते हुए शंकरा आई हॉस्पिटल, पनवेल के चीफ मेडिकल ऑफिसर और कॉर्निया कंसल्टेंट डॉ. गिरीश शंकर बुधानी ने कहा, आंखों की समस्या वाले कई बच्चों को अक्सर पता ही नहीं चलता कि उन्हें साफ देखने में दिक्कत हो रही है। इससे उनकी पढ़ाई-लिखाई, आत्मविश्वास और समग्र विकास पर सीधा असर पड़ सकता है। आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल, पनवेल के यूनिट हेड डॉ. राजेश कापसे ने बताया कि बच्चों में आंखों की समस्याओं का सही इलाज न होने से उनकी पढ़ाई-लिखाई, क्लास में भागीदारी, ध्यान लगाने की क्षमता और जीवन की समग्र गुणवत्ता पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। शुरूआती दौर में ही समस्या का पता चलने और समय पर इलाज होने से न सिर्फ नजर में सुधार होता है, बल्कि बच्चे पढ़ाई और सामाजिक जीवन में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

पूर्व मंत्री पारसनाथ यादव की पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम में सेवा कार्य, वेद यादव ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी विचारधारा के प्रखर नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्वर्गीय पारसनाथ यादव बाबू जी की पुण्यतिथि पर उनके छोटे पुत्र वेद यादव ने वृद्धाश्रम पहुंचकर सेवा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को फल वितरित किए गए तथा भोजन कराकर उन्हें सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान स्व. पारसनाथ यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाबू जी ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, किसानों, पिछड़ों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। जनसेवा, सादगी और समाज के प्रति समर्पण उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान थी। वेद यादव ने कहा कि उनके पिता के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों की सेवा के माध्यम से ही बाबू जी के सपनों को साकार किया जा सकता है। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने इस पहल की सराहना करते हुए स्व. पारसनाथ यादव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान भावुक एवं श्रद्धामय माहौल बना रहा तथा उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाजवादी नेता संतोष यादव (पूर्व प्रधान, मुस्तफाबाद), जितेंद्र कुमार, जीतू यादव सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अखिलेश यादव सर्वजन हिताय और सामाजिक न्याय की राजनीति के प्रतीक: मो .अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक जौनपुर सदर एवं भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव देश में सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, संविधान, समता और भाईचारे की राजनीति के सबसे सशक्त प्रतिनिधि के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन के प्रणेता होने के साथ-साथ सर्वसमाज के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ने वाले जननेता हैं।पीडीए भवन कटघरा से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अरशद खान ने कहा कि अखिलेश यादव की राजनीति किसी एक वर्ग या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्व की भावना पर आधारित है। उनका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर, सम्मान, न्याय और सुरक्षा दिलाना है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव महात्मा गांधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए वे निरंतर जनजागरण अभियान चला रहे हैं। अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज को जाति और धर्म के आधार पर विभाजित करने के प्रयास हो रहे हैं, तब अखिलेश यादव प्रेम, सद्भाव, सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देकर देश को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनकी राजनीति का केंद्र किसान, मजदूर, नौजवान, महिला, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय, युवाओं को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे अखिलेश यादव की राजनीति की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय का लाभ नहीं पहुंचेगा, तब तक लोकतंत्र की सफलता अधूरी रहेगी। प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि पीडीए आंदोलन केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का व्यापक मिशन है, जिसका उद्देश्य वंचित और उपेक्षित वर्गों को न्याय दिलाना तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है। अरशद खान ने विश्वास जताया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा और सामाजिक न्याय, लोकतंत्र तथा संविधान की विचारधारा को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

भाजपा तुलिंज मंडल के उपाध्यक्ष बने हरिकेश तिवारी, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

-आनंद कुमार मिश्रा

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भाजपा नेतृत्व द्वारा सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी जा रही हैं। इसी क्रम में हरिकेश लालता तिवारी को भाजपा तुलिंज मंडल का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। शुक्रवार को तुलिंज मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह तथा मंडल महामंत्री हौसिला प्रसाद पांडेय ने हरिकेश तिवारी को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर मंडल कार्यालय में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत किया और पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दीं। भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि हरिकेश तिवारी लंबे समय से सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न आयामों में भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। नियुक्ति के बाद दैनिक उत्तर शक्ति से बातचीत करते हुए हरिकेश तिवारी ने कहा, ऱपार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व और पदाधिकारियों ने मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से इस दायित्व का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करूंगा तथा पार्टी की नीतियों और जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करूंगा।

हरिकेश तिवारी की नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में तुलिंज मंडल संगठन को नई मजबूती और गति प्राप्त होगी।

कोटिगांव में रामपुर जोन की मासिक बैठक संपन्न, जनस्वाभिमान दिवस की तैयारियों पर जोर

मो. जावेद

मड़ियाहूं,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के कोटिगांव में रामपुर जोन की मासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसंपर्क बढ़ाने पर विशेष बल दिया।

बैठक के मुख्य अतिथि जिला मीडिया सचिव सुनील पटेल रहे, जबकि जिला महासचिव राकेश मिश्रा एवं जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामपुर जोन अध्यक्ष रवि गुप्ता ने की तथा संचालन संतोष जायसवाल ने किया।

मुख्य अतिथियों ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता से जुड़ाव पर निर्भर करती है। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों और विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने तथा नए लोगों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में 2 जुलाई 2026 को डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर आयोजित होने वाले जनस्वाभिमान दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों ने सभी कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की अपील की।

जोन अध्यक्ष रवि गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाने और नाम पट्टिका स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे संगठन की पहचान मजबूत होगी और पार्टी के प्रति समर्पण का संदेश आमजन तक पहुंचेगा।

सड़क निर्माण में नहीं चलेगी ढिलाई, तय समय और गुणवत्ता के साथ पूरे हों सभी प्रोजेक्ट : सीएम योगी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के विकास कार्यों को और गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों और अभियंताओं के साथ लंबी समीक्षा बैठक कर स्पष्ट संदेश दिया कि सड़क निर्माण और विकास परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता जनता को बेहतर सड़कें, सुगम यातायात और गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस सभागार में वाराणसी मंडल के अंतर्गत चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बरसात से पहले पूर्ण होने वाली परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए युद्धस्तर पर कार्य कराया जाए, ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समीक्षा के दौरान प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वाराणसी परिक्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की कुल 7175 करोड़ रुपये लागत की 2630 परियोजनाएं विभिन्न चरणों में संचालित हैं। इनमें से 687 परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 542 परियोजनाएं 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। वहीं अकेले वाराणसी जनपद में 3223 करोड़ रुपये लागत के 421 कार्य गतिमान हैं। इनमें 85 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 158 परियोजनाओं का 90 प्रतिशत से

अधिक कार्य संपन्न हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास परियोजनाओं की सफलता केवल धनराशि स्वीकृत होने से नहीं, बल्कि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन से तय होती है। उन्होंने निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना तत्काल प्रस्तुत की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी परियोजना में स्वीकृति, निविदा और क्रियान्वयन के बीच अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ₹वेटिंग कल्चर₹ समाप्त होना चाहिए और परियोजनाएं स्वीकृत होते ही जमीन पर उतरनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि वे अपने-अपने स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें करें और कार्यों की प्रगति पर सतत निगरानी रखें। यदि कहीं भूमि, तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधाएं हैं तो उनका तत्काल समाधान कराया जाए, ताकि विकास कार्यों की गति प्रभावित न हो। सड़कों की मरम्मत और निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री विशेष रूप से गंभीर दिखे। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन मार्गों की मरम्मत प्रस्तावित है, उनका पहले वैज्ञानिक सर्वे कराया जाए और उसके बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाए। नगर निगम को भी नगरीय क्षेत्रों की जर्जर सड़कों के सुधार हेतु सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों को योजनाओं में प्राथमिकता के साथ शामिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि विकास योजनाओं में जनता की अपेक्षाओं और स्थानीय आवश्यकताओं का प्रतिबिंब दिखाई देना चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने चंदौली में निमार्णाधीन इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का लगभग 18 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने गुणवत्ता और समयसीमा दोनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायिक अवसंरचना से जुड़ी परियोजनाएं जनता की सुविधा और न्याय व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी होती हैं, इसलिए इनमें किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने वाराणसी में प्रस्तावित यूनिटी मॉल परियोजना की भी समीक्षा की और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक के दौरान प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वाराणसी परिक्षेत्र में चल रही परियोजनाओं, उनकी प्रगति, लागत और आगामी योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तुतीकरण के विभिन्न बिंदुओं पर सवाल पूछते हुए परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विभिन्न जनपदों के विधायक, एमएलसी, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल तथा लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक से यह स्पष्ट संकेत मिला कि वाराणसी मंडल में सड़क, पुल और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को लेकर प्रदेश सरकार किसी प्रकार की शिथिलता के मूड में नहीं है। विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए अब हर परियोजना की निगरानी और जवाबदेही दोनों पहले से अधिक सख्त होने वाली है।

एक नजर में पीडब्ल्यूडी की प्रगति
वाराणसी परिक्षेत्र में कुल परियोजनाएं : 2630
कुल लागत : 7175 करोड़ रुपये
100% पूर्ण परियोजनाएं : 687
90% से अधिक पूर्ण परियोजनाएं : 542
वाराणसी जिले में कुल कार्य : 421
लागत : 3223 करोड़ रुपये
जिले में पूर्ण कार्य : 85
90% से अधिक पूर्ण कार्य : 158
चंदौली इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स : 18% कार्य पूर्ण
यूनिटी मॉल निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

सड़क विकास की रफ्तार ही प्रदेश की प्रगति का आधार है, इसलिए समयसीमा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा– मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अशोक भाटिया को मिला पत्रकारिता सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व निवासी वरिष्ठ लेखक, स्तंभकार एवं पत्रकार अशोक भाटिया को उनकी उत्कृष्ट लेखनी और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति तथा सहयोगी दिलीप प्रजापति ने श्री भाटिया को प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान उनकी साहित्यिक एवं पत्रकारिता संबंधी सेवाओं की सराहना करते हुए कहा गया कि उनकी लेखनी समाज को जागरूक करने के साथ-साथ सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रही है। श्री भाटिया लंबे समय से पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय हैं तथा विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित से जुड़े विषयों पर अपने विचारों के माध्यम से पाठकों को जागरूक करते रहे हैं। उनकी निष्पक्ष, संवेदनशील और प्रभावशाली लेखन शैली ने उन्हें पाठकों के बीच विशेष पहचान दिलाई है।

सम्मान प्राप्त करने पर श्री भाटिया ने उत्तरशक्ति परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अशोक भाटिया के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। पत्रकारिता और साहित्य जगत में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

मुरुगन अन्ना सेलवन का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दक्षिण भारतीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरुगन अन्ना सेलवन का जन्मदिन गुरुनानक विद्यालय सायन में बड़े धूमधाम से मनाया गया। मुरुगन एक सरल, सौम्य, विवेकवान, मृदु भाषी समाज सेवी है। इस शुभ अवसर पर श्री कांत देवर दक्षिण भारतीय जिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, कैलाश भाई पिल्लाई मुंबई सचिव दक्षिण भारतीय प्रकोष्ठ, सुरेंद्रन कुन्नीकन्नन मंडल उपाध्यक्ष, सचिन कराडे युवक जिला सचिव ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। सभी लोगों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मालाबार ने हीरों का नया कलेक्शन नुवा लॉन्च किया

मुंबई, 12 जून 2026: मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने प्रकृति हीरों से सजे अपने नए एक्सक्लूसिव ज्वेलरी कलेक्शन नुवा का लॉन्च किया। प्रकृति में निहित अद्भुत पैटर्न्स, विशिष्ट टेक्सचर और सूक्ष्म बारीकियों से प्रेरित यह कलेक्शन आधुनिक लग्जरी को एक नए दृष्टिकोण से परिभाषित करता है। नुवा प्रकृति की उन अनमोल कलाकृतियों का उत्सव है, जो अपनी खूबसूरती के बावजूद अक्सर हमारी नजरों से अनदेखी रह जाती हैं। इस कलेक्शन की प्रत्येक डिजाइन में प्रकृति की सहज कलात्मकता और उत्कृष्ट शिल्पकला का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसकी प्रेरणा आकर्षक स्ट्राइप्स, हनीकॉम्ब पैटर्न्स, प्रवाहमयी आकृतियों तथा धरती द्वारा रचे गए ऑर्गेनिक फॉर्मेशन्स और प्राकृतिक बनावटों से ली गई है। प्राकृतिक सौंदर्य और समकालीन डिजाइन का यह शानदार मेल नुवा को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जो आधुनिक महिलाओं के लिए परिष्कृत लग्जरी और कालातीत आकर्षण का प्रतीक है। नुवा कलेक्शन के प्रचार अभियान में प्रसिद्ध अभिनेत्री करीना कपूर खान को नुवा का चेहरा बनाया गया है। अपनी सहज शालीनता, आत्मविश्वास और कालातीत आकर्षण के लिए जानी जाने वाली करीना कपूर खान इस कलेक्शन की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति, आधुनिक नारीत्व का सटीक प्रतिनिधित्व करती हैं।

विश्व दिव्यांग दिवस पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति 03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस संबंध में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी तनुज त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा प्रख्यापित राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के अंतर्गत वर्ष 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि नियमावली के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी एवं स्वनियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता एवं प्लेसमेंट एजेंसी, दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत उत्कृष्ट संस्थाएं, प्रेरणास्त्रोत, नवीन अनुसंधान एवं उत्पाद विकास, बाधामुक्त वातावरण निर्माण, पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जनपद, सृजनशील दिव्यांग वयस्क एवं बालक-बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस, दिव्यांगजन अनुकूल वेबसाइट, उत्कृष्ट दिव्यांग खिलाड़ी तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जनपद के पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से अपील की है कि वे निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित 10 जुलाई, 2026 तक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कक्ष संख्या-05, विकास भवन, बलरामपुर में जमा कर दें, ताकि समयबद्ध रूप से नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं उनके कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मोदी के 12 वर्ष : काशी से गूंजा विकास, विश्वास और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्षों के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में शुक्रवार को चौकाघाट स्थित गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल विकास, सुशासन और जनकल्याण के उत्सव का साक्षी बना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आयोजित जनकल्याण शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र, ऋण सहायता और उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को सम्मान की दृष्टि से देख रही है और काशीवासियों को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि देश का नेतृत्व उनके सांसद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 वर्ष पहले काशी ने देश को नया नेतृत्व दिया था। आज वही नेतृत्व भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिला रहा है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के राष्ट्राध्यक्ष भारत की उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ काशी, उत्तर प्रदेश और देश के नागरिकों की भी सराहना करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार, अविश्वास, आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी चुनौतियों से जूझ रहा था। किसानों की आत्महत्या, युवाओं में बेरोजगारी और सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार आम बात थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में देश के 120 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे और सीमाओं पर घुसपैठ की घटनाएं लगातार हो रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की दिशा और दशा दोनों बदली हैं। आज हर योजना गरीब, किसान, महिला, युवा, कारीगर और बुजुर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनधन खातों के माध्यम से गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना एक ऐतिहासिक कदम था। पहले सरकारी सहायता का बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन आज डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पूरी राशि सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि एक समय देश के प्रधानमंत्री स्वयं स्वीकार करते थे कि दिल्ली से भेजे गए 100 रुपये में से केवल 15 रुपये ही लाभार्थियों तक पहुंचते हैं, जबकि आज तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से पूरा पैसा सीधे गरीबों तक पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की महत्वाकांक्षी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर मिले। आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को गंभीर बीमारियों के इलाज की चिंता से मुक्त किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में भी देशवासियों को मुफ्त जांच, मुफ्त उपचार, मुफ्त वैक्सीन और मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आज भी 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और महंगाई की चुनौती का सामना कर रही है। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश में भी महंगाई कई गुना बढ़ी है और अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियों के कारण भारत अपने नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व ही किसी राष्ट्र को महान बनाता है और काशीवासियों को इस बात का गर्व होना चाहिए कि देश को ऐसा नेतृत्व उनके सांसद नरेंद्र मोदी के रूप में मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में वर्षों से जाम और अव्यवस्था की समस्या थी, लेकिन आज स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। काशी विश्वनाथ धाम, घाटों के सौंदर्यीकरण, बेहतर सड़क संपर्क और आधुनिक परिवहन सुविधाओं ने शहर की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों ने देश के परिवहन ढांचे को नई ऊंचाई दी है। रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट अब विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस हो रहे हैं। काशी के घाटों की सुंदरता आज देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में निमार्णाधीन रोपवे परियोजना शहर की यातायात व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी।

बिजली जाने की समस्या पर कड़े कदम उठाने की आवश्यकता : महेश सरवणकर

वसई रोड। बार-बार बिजली जाने से नागरिक परेशान हैं। बिजली की लगातार कमी से नागरिकों में नाराजगी का माहौल है। बिजली जाने की बढ़ती समस्या और नागरिकों में नाराजगी को गंभीरता से लेते हुए, भारतीय जनता पार्टी वसई रोड बोर्ड के अध्यक्ष और नगरसेवक महेश सरवणकर ने सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर, महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, वसई से बार-बार बिजली जाने की समस्या को दूर करने के लिए पक्के कदम उठाने की मांग की है। वसई के पश्चिमी इलाकों में बार-बार बिजली जाने की समस्या बढ़ गई है। तापमान में भारी बढ़ोतरी से नागरिक परेशान हैं। इसके अलावा, बार-बार बिजली जाने से नागरिकों में भारी नाराजगी है। मानसून का मौसम आ रहा है। मानसून के दौरान सुचारू बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने और मानसून के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, मानसून से पहले उचित कदम उठाना जरूरी है। वसई पश्चिम में महावितरण के खुले डीपी बॉक्स, पुराने ट्रांसफार्मर, खुले तार, अंडरग्राउंड खतरनाक तारों की जांच की जानी चाहिए और जहां जरूरी हो, उनकी मरम्मत की जानी चाहिए। ताकि मानसून और भारी बारिश के दौरान कोई दुर्घटना न हो। साथ ही, बिजली सप्लाई में बार-बार रुकावट भी नहीं आएगी। एक बयान में, नगरसेवक महेश सरवणकर ने कहा कि मानसून से पहले वसई पश्चिम में सभी ट्रांसफार्मर, डीपी बॉक्स, ओवरहेड तार, अंडरग्राउंड तार आदि का निरीक्षण किया जाना चाहिए।

वसई वेस्ट में हार्दिक रवींद्र राउत का अभिनंदन, सहकार क्षेत्र के विकास पर हुई चर्चा

वसई। ठाणे-पालघर डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के पंचवर्षीय चुनाव (2026-2031) के अवसर पर भाजपा-शिवसेना महायुति के परिवर्तन पैनल की ओर से अन्य पिछड़ा वर्ग निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार हार्दिक रवींद्र राउत ने वसई वेस्ट स्थित विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस में विधायक स्नेहा दुबे पंडित से मुलाकात की। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने हार्दिक रवींद्र राउत का अभिनंदन करते हुए उन्हें आगामी चुनाव के लिए शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान सहकारिता क्षेत्र को अधिक सक्षम, पारदर्शी एवं जनहित केंद्रित बनाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, बैंकिंग एवं सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आम नागरिकों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विश्वास व्यक्त किया कि सहकार क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं हार्दिक रवींद्र राउत ने भी सहकारिता क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण और सदस्य हितों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला के महासचिव बिजेंद्र कुमार, वसई विधानसभा प्रमुख मयंक शेठ, नितिन ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता का पेट काटकर बम-बारूद खरीदेंगे असीम मुनीर, रक्षा बजट 18 फीसदी बढ़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने शुक्रवार को अपना सालाना बजट पेश किया है। ये बजट कुल 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए (67.49 अरब डॉलर) का है। बजट में खासतौर से रक्षा खर्च को अहमियत देते हुए 18 प्रतिशत बढ़ाया गया हैं। वहीं विकास कार्यों पर खर्च सीमित करते हुए टैक्स का ऊंचा लक्ष्य रखा गया है। शहबाज शरीफ सरकार ने ऐसे समय बजट पेश किया है, जब वह IMF प्रोग्राम को पटरी पर बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। पाकिस्तान ने पिछले साल रक्षा खर्च के लिए 2.55 ट्रिलियन रुपए रखे थे, जो इस साल से बढ़ाकर 3 ट्रिलियन (तीन हजार अरब) हो गए हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने शुक्रवार को नेशनल असेंबली (संसद) को बताया कि सरकार जुलाई से शुरू होने वाले वित्त वर्ष में रक्षा के लिए तीन अरब रुपए आवंटित करेगी, जो पिछले साल की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। बजट में संघीय विकास खर्च एक ट्रिलियन रुपए रखे गए हैं। क्षेत्र में अनिश्चितता के कारण देश को अजेय बनाने के लिए रक्षा खर्च में काफी बढ़ोतरी की गई है। रक्षा खर्च में यह बढ़ोतरी सुरक्षा जरूरतों के लिए वित्तीय संसाधनों को एक साथ लाने पर प्रांतों के साथ बातचीत के बाद की गई है। एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान ने रक्षा बजट को 18 प्रतिशत बढ़ाने के लिए विकास कार्यों पर होने वाले खर्च को सीमित किया है। यह दिखाता है कि इस्लामाबाद अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना चाहता है। साथ ही इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड प्रोग्राम के तहत वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करते हुए आर्थिक दबावों से पार पाने की कोशिश में भी लगा है। पाकिस्तान ने बीते साल मई में भारत के साथ चार दिन के सैन्य संघर्ष के बाद अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर जोर दिया है। सरकार विकास कार्यों पर होने वाले खर्च को सीमित रखते हुए सैन्य खर्च को प्राथमिकता दे रही है। इसे ऑपरेशन सिंदूर में चोट खाने के बाद असीम मुनीर की सैन्य ताकत बढ़ाने की कोशिश से जोड़ा सकता है। अफगानिस्तान के साथ भी पाकिस्तान का तनाव है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एनवायरनमेंट मंथ 2026 का आयोजन किया

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ह्यएनवायरनमेंट मंथ 2026 की शुरूआत की है, जिसका थीम है रिसोर्स रीसाइक्लिंग के जरिए क्लाइमेट पॉज़िटिव कंपनी की ओर कदमह्व। इस पहल के माध्यम से कंपनी अपने ऑपरेशन्स और स्टेकहोल्डर इकोसिस्टम में टिकाऊ प्रैक्टिसेज को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराती है। टोयोटा एनवायरनमेंटल चैलेंज 2050 और अन्य सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों से प्रेरित होकर, यह पहल सप्लायर्स, डीलर्स, लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स, कर्मचारियों और समुदायों को रिसोर्स रीसाइक्लिंग, वेस्ट रिडक्शन और क्लाइमेट-पॉज़िटिव एक्शन के लिए एकजुट करती है। टीकेएम अपने ऑपरेशन्स में रिसोर्स खपत कम करने और वेस्ट घटाने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। कंपनी का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में क्रॉस-फंक्शनल सुधार गतिविधियों के माध्यम से पैकेजिंग उपयोग में 12.5% कमी करना है। साथ ही, 2030 तक वार्षिक माइलस्टोन के जरिए प्रोसेस-जनरेटेड वेस्ट में 15% कमी हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रयासों को मजबूत वेस्ट रीसाइक्लेबिलिटी उपायों और जीरो वेस्ट टू लैंडफिल की दिशा में निरंतर काम से समर्थन मिलेगा। टीकेएम अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को पूरी तरह से नवीकरणीय बिजली पर चलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। बी. पद्मनाभा, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर मैन्युफैक्चरिंग, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, ₹हमारी क्लाइमेट-पॉज़िटिव कंपनी बनने की यात्रा निरंतर सुधार, सहयोग और जिम्मेदार कार्रवाई की मांग करती है। एनवायरनमेंट मंथ 2026 के माध्यम से हम रिसोर्स रीसाइक्लिंग और वेस्ट रिडक्शन पर अपना ध्यान और मजबूत कर रहे हैं, साथ ही वैल्यू चेन में टिकाऊ प्रैक्टिसेज को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर व्यक्ति का योगदान, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, सार्थक बदलाव ला सकता है। सामूहिक प्रयासों से हम पर्यावरणीय प्रभाव कम करेंगे और अपने दीर्घकालिक सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों को आगे बढ़ाएंगे। एनवायरनमेंट मंथ 2026 जैसी पहलों के माध्यम से टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता को मजबूत करना, सस्टेनेबिलिटी में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करना और जिम्मेदार विकास के जरिए समाज के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना है।

देश हित में हर त्याग मंजूर : प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में झलका आम भारतीय का भरोसा

वाराणसी। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और अनिश्चितताओं के बीच देश में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाली भावनाएं भी सामने आ रही हैं। कानपुर निवासी आशुतोष यादव द्वारा प्रधानमंत्री को लिखा गया एक पत्र इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इस पत्र में उन्होंने न केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है, बल्कि अपने परिवार और रिश्तेदारों की ओर से राष्ट्रहित में त्याग, संयम और सहयोग का संकल्प भी दोहराया है। आशुतोष यादव ने पत्र में लिखा है कि वर्तमान समय में दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय बाजारों को प्रभावित किया है। ऐसी स्थिति में भारत जैसे विकासशील और उभरते हुए राष्ट्र को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब देश संकट में पड़ा, तब-तब भारत के सामान्य नागरिकों ने अपने त्याग और अनुशासन से राष्ट्र को मजबूती प्रदान की है। पत्र में आशुतोष यादव ने उल्लेख किया कि उनके परिवार ने यह निर्णय लिया है कि वे केवल आवश्यक वस्तुओं का ही उपयोग करेंगे और अनावश्यक खरीदारी तथा फिजूलखर्ची से बचेंगे। उनका मानना है कि यदि देश के करोड़ों परिवार ऐसा संकल्प लें तो विदेशी मुद्रा के अनावश्यक व्यय को रोका जा सकता है और संकट की घड़ी में राष्ट्रीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रहित में किया गया छोटा-सा त्याग भी भविष्य में बड़ी

शक्ति का आधार बन सकता है।

पत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर व्यक्त की गई चिंता से जुड़ा है। आशुतोष यादव ने समाचारों के हवाले से यह उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था और काफिले के आकार को सीमित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की सादगी, मितव्ययिता और जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि देश के करोड़ों नागरिक उनकी सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार का जोखिम स्वीकार नहीं कर सकते।

उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री केवल सरकार के मुखिया नहीं हैं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों की आशाओं, आकांक्षाओं और विश्वास के केंद्र हैं। ऐसे समय में जब विश्व अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, भारत को एक मजबूत और स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसलिए उनकी सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पत्र में आग्रह किया गया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए ताकि राष्ट्र निश्चिंत होकर उनके नेतृत्व में आगे बढ़ सके। आशुतोष यादव ने अपने पत्र में कोविड-19 महामारी के कठिन दौर का भी उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि महामारी के समय देश ने अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र ने आत्मविश्वास बनाए रखा। वैक्सीन अभियान, गरीबों के लिए राहत योजनाएं और संकट प्रबंधन जैसे प्रयासों ने लोगों के भीतर आशा का संचार किया। उन्होंने इसे भारत की सामूहिक शक्ति और नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया।

पत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का भी जिक्र किया गया है। आशुतोष यादव ने लिखा कि आज भारत विश्व मंच पर एक प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है। आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक और कूटनीतिक क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। ऐसे में वर्तमान वैश्विक संकट भी भारत की प्रगति को रोक नहीं पाएगा, बल्कि देश और अधिक आत्मनिर्भर तथा सशक्त बनकर उभरेगा।